RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
रविवार
21 जुलाई, 2024

वर्ष: 10: अंक: 96

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

मुख्यमंत्री ने किया 'एक पेड़ गौ माता के नाम' अभियान का शुभारंभ

राजस्थान में हरियाली तीज पर एक दिन में लगाए जाएंगे 1 करोड़ पौधे

गौशाला में लगाए गए 7500 से अधिक पौधे

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में प्रकृति पूजा की परंपरा है। हम पेड़, नदी, पहाड़ सभी की पूजा करते हैं। हमारे पूर्वजों ने इसे संस्कृति से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान का भाव जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जयपुर ग्रामीण जिले में स्थित हिंगोनिया गौ पुनर्वास केन्द्र में पशुपालन, गोपालन, डेयरी और देवस्थान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सघन पौधारोपण अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आगामी हरियाली तीज (7 अगस्त) पर पूरे प्रदेश में एक दिन में 1 करोड़ पौधे लगाए जाने की घोषणा की। भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा सामाजिक सरोकारों के सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने देश में 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई। प्रधानमंत्री ने महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों की इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की अभिनव पहल की है।

वैचारिक समृद्धता उन्नत व विकसित राष्ट्र की पहचान

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब युवा 18 वर्ष का होता है तो उसे मतदान का अधिकार मिलता है, लेकिन इस अधिकार के साथ कई दायित्व भी साथ में जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाना होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत राष्ट्र की पहचान भौतिक विकास से नहीं बल्कि वहां के लोगों की वैचारिक समृद्धता से होती है क्योंकि विचार समृद्ध होते हैं तो राष्ट्र भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए ऑक्सीजन का स्रोत हैं, धरती को उपजाऊ बनाते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पौधरोपण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में कदंब व आम के पौधरोपण के साथ अभियान का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर में दर्शन किए और गौ पूजन किया। कार्यक्रम में जाते समय विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का बड़े उत्साह के साथ स्वागत-सत्कार किया।

पर्यावरण संरक्षण गौवंश के लिए भी होगा लाभकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ गौवंश को भी लाभ पहुंचाएगा। पेड़ों से मिलने वाली छाया गौवंश को गर्मियों में राहत देगी। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सभी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व निभाएं और एक पेड़ मां के नाम अभियान को राजस्थान में सफल बनाएं और पूरे भारत में एक मिसाल स्थापित करें। कार्यक्रम में पशुपालन व देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' व एक पेड़ गौ माता के नाम अभियान के तहत मिशन वन रक्षण 2024 के अंतर्गत प्रदेश में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान राज्य के गोपालन, देवस्थान, डेयरी व पशुपालन विभाग की ओर से संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

'हरियालो राजस्थान मिशन' से राजस्थान बनेगा हरित प्रदेश

उल्लेखनीय है कि राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए वर्ष 2028 तक वन क्षेत्र में 20 हजार हेक्टेयर की वृद्धि करने की घोषणा परिवर्तित बजट 2024-25 में की गई है। 'हरियालो राजस्थान मिशन' के अंतर्गत आगामी पांच साल में 4 हजार करोड़ रुपये की राशि से प्रदेश में 50 नई नर्सरी, प्रत्येक जिले में आमजन की सहभागिता से एक-एक मातृवन की स्थापना, खेजड़ली-जोधपुर में अमृतादेवी बिश्नोई इंडिजनस प्लांट म्यूजियम की स्थापना, एक जिला एक नर्सल कार्यक्रम, वन धन कार्यक्रम चलाने जाने के साथ ही 2 हजार स्थानीय व्यक्तियों को वन मित्र बनाया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की सभी विकास परियोजनाओं में ग्रीन ग्रोथ के सिद्धांत का समावेश करने के लिए आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में पशुपालन व डेयरी राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, जयपुर जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन विकास सीतारामजी भाले, श्रीकृष्णा बलराम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अमितासन दास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

यशस्वी सरपंच राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सीएम ने किया 20 सरपंचों को सम्मानित

जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सरपंचों की अहम भूमिका: भजनलाल

गांवों का सर्वांगीण विकास हमारी सरकार का ध्येय

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि सरपंच शासन की सबसे छोटी किंतु सबसे महत्वपूर्ण इकाई होता है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सरपंच ही धरातल पर उतारता हैं। सरपंच पूरे गांव का प्रतिनिधि होता है इसलिए उसे भेदभाव किए बिना दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ गांव के विकास के लिए कार्य कराने चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में यशस्वी सरपंच राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने गांवों के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले 20 सरपंचों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरपंचों को अपनी ग्राम पंचायतों के आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए जिससे वे केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली निधि के अलावा अपने स्तर पर भी विकास कार्य करवा सकें। गांवों में पानी, सड़क, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो गांवों से पलायन को रोका जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पंचायतीराज का ढांचा बहुत विस्तृत और सुदृढ़ है। राज्य में 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। हमारी सरकार पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत करने और गांवों के सर्वांगीण विकास पर पूरा जोर दे रही है।

वोकल फॉर लोकल' से स्थानीय उत्पादों को दिया बढ़ावा

भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश की आजादी के बाद बनी सरकारों ने केवल बड़े उद्योगों को बढ़ावा दिया जिससे गांव में चलने वाले लघु और कुटीर उद्योग कमजोर हुए। लेकिन वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन और संरक्षण दिया। जिससे लघु व कुटीर उद्योग मजबूत हुए और छोटे-छोटे उद्यमियों को संबल मिला।

'सरपंच के रूप में मैंने भी देखा विकास का सपना

भजनलाल शर्मा ने कहा कि एक सरपंच के रूप में मैनें भी गांव के विकास का सपना देखा है और गांव से मेरा जुड़ाव आज भी कम नहीं हुआ है। लोगों की आशाओं को पूरा करने और सकारात्मक बदलाव की हिम्मत जुटाने की चुनौतियों को मैंने करीब से देखा है। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि बिना किसी दबाव में आए पूर्ण निष्ठा से अपनी ग्राम पंचायत के विकास के लिए जुटे रहें। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि गांव का विकास होगा तो देश भी समृद्ध होगा। इसी तरह अटल बिहारी वाजपेयी का भी गांवों के प्रति लगाव था। उन्होंने अभियान चलाकर देश के हर गांव को सड़क से जोड़ा।

कार्यक्रम में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुलाकात

नई दिल्ली। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करते हुए।

भारत और न्यूजीलैंड द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने न्यूजीलैंड के समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन से फोन पर बातचीत की। इस दौरान लक्सन ने उन्हें लोकसभा चुनाव में दोबारा जीत पर बधाई दी। दोनों नेता व्यापार और आर्थिक सहयोग, पशुपालन, फार्मस्यूटिकल्स, शिक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) की ओर से आज एक बयान जारी किया गया। जिसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस बात पर गौर किया कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच करीबी संबंधों पर आधारित हैं। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को आने वाले वर्षों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप 44 साल की सबसे बड़ी जीत की ओर, सर्वे में अहम राज्यों में 57% वोट मिलने की संभावना

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से 109 दिन पहले ही रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप बाजी मारते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने मिलवॉकी में गुरुवार रात कन्वेंशन में कार्यकर्ताओं के उत्साह के बीच टिकट पाया। शुक्रवार सुबह ट्रंप कैंप के लिए एक और खुशखबर आई है। रीयल क्लीयर पॉलिटिक्स के पोल के मुताबिक, ट्रम्प ने 7 बड़े राज्यों में बाइडेन पर 57% वोटों की बड़ी बढ़त बना ली है। बाइडेन 20% वोट हासिल कर पाए हैं। इन राज्यों में मिशिगन, विस्कॉन्सिन, पेन्सिलवेनिया, नेवादा, नॉर्थ कैरोलीना, एरिजोना और जॉर्जिया हैं। पिछली बार बाइडेन ने नॉर्थ केरोलीना को छोड़कर सभी में जीत हासिल की थी।

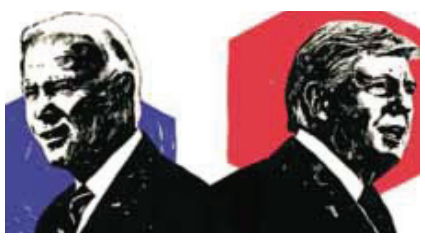

बाइडेन को 7 बड़े राज्यों में सिर्फ 20% वोट

पोल के बात संभावना जताई जा रही है कि बाइडेन को 7 बड़े राज्यों में सिर्फ 20% वोट वोट मिलने की संभावना जताई जा रही है, वहीं ट्रम्प 1980 में रिपब्लिकन रोनाल्ड रीगन की 44 राज्यों में जीत के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। इस बीच, सूत्रों के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडेन की कमजोर पड़ती दावेदारी को देखकर राष्ट्रपति पद के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है।

लादेन का करीबी अमीन उल हक पाकिस्तान में गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान में अलकायदा नेता और ओसामा बिन लादेन के करीबी रहे अमीन-उल-हक को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक सीटीडी को अलकायदा के सीनियर कमांडर रहे अमीन-उल-हक के गुजरात (पाकिस्तान) के सराय आलमगीर कस्बे में होने की जानकारी मिली थी जिसके बाद उन्होंने एक ऑपरेशन चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अमीन उल-हक अफगानिस्तान का रहने वाला है मगर उसके पास से पाकिस्तान का आईडी कार्ड मिला है। ये आईडी कार्ड लाहौर और हरिपुर के एक पते पर बनाया गया है। अमीन-उल-हक के खिलाफ पंजाब में मामला दर्ज किया है। उसके खिलाफ आतंक से जुड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। हालांकि, टेररिज्म डिपार्टमेंट ने इस मामले में बहुत अधिक जानकारी नहीं दी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में राजदूत रवींद्र ने पाकिस्तान को लताड़ा

कहा- कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर पाकिस्तान की जमकर खिंचाई की है। भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में आतंकवाद फैलाने के मुद्दे पर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। हालांकि इस दौरान पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। पाक पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए भारत ने कहा है कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों से बचा जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में उप स्थायी प्रतिनिधि एवं प्रभारी राजदूत आर रवींद्र ने कहा, ''आप इस बात से सहमत होंगे कि जब हम अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की बात करते हैं, तो आतंकवाद सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

आतंक के साथ अलगाववाद और चरमपंथ भी खतरनाक

आर रवींद्र ने कहा, "हमें आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ की तीन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में एससीओ-आरएटीएस की भूमिका को और मजबूत करने की जरूरत है। भारत ने संपर्क सुविधा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किए जाने की भी लगातार वकालत की है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड से बचना चाहिए

इसलिए हमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड से बचना चाहिए।" रवींद्र ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय संगठनों के बीच सहयोग: सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ), स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल (सीआईएस), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)' विषय पर अपने विचार रखते हुए यह बात कही। उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के एक औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवाओं में कट्टरता रोकने को बताया जरूरी

रवींद्र ने कहा हमें अपने युवाओं में कट्टरपंथ के प्रसार को रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए। 2023 में एससीओ की भारत की अध्यक्षता में कट्टरपंथ के विषय पर जारी संयुक्त वक्तव्य कट्टरता के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत एससीओ के भीतर सुरक्षा क्षेत्र में विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ समानता, सम्मान और आपसी समझ" के आधार पर एससीओ भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने को उच्च प्राथमिकता देता है।

हैती के तट पर नाव में लगी आग

81 में से 40 प्रवासियों की मौत तटरक्षक बलों ने 41 को बचाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हैती कैरेबियन सागर में स्थित एक देश के तट पर नाव में आग लगने से कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 81 से अधिक प्रवासियों को लेकर जहाज बुधवार को हैती से रवाना हुआ था और तुर्क और कैकोस की ओर जा रहा था, साथ ही हैती के तटरक्षक बल ने 41 बचे लोगों को बचाया। हैती में आईओएम के मिशन प्रमुख ग्रेगोइरे गुडस्टीन ने इस त्रासदी के लिए हैती के बढ़ते सुरक्षा संकट और

प्रवास के लिए सुरक्षित और कानूनी रास्ते की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि हैती की सामाजिक-आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। पिछले कुछ महीनों में हुई अत्यधिक हिंसा ने हैतीवासियों को और भी ज्यादा हताशाजनक उपायों का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया है।

कामबेश्वरजी व कोलर जिस पंचायत मे आते है वहाँ पर हजारों बिधा गोचर भूमि है

गोचर भूमि पर अतिक्रमण कर रिसोर्ट व आलिशान होटले बनाकर जानवरों के निवास करने की जमीन पर कब्जा कर लिया

ईन पहाडियों में व आसपास गांवो से हजारो बिधा जमीन जो गोचर फौरेसट विभाग की जमीन पर अतिक्रमण को हटाना चाहिए

जहाँ सबसे ज्यादा भालुओं व तेंदुओं के निवास क्षेत्र है वहाँ पर जिपसीओ से परेशान किया जाता है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज उपखंड क्षेत्र के गोडाना धुरबाना पंचायत क्षेत्र के पहाडियों में सबसे ज्यादा गोचर भूमि आई हुई है वह उस गोचर भूमि में सबसे ज्यादा रिसोर्ट्ट बने हुए है यह लोग गोचर को भी नहीं छोड़ते हैं तो फॉरेस्ट की भूमि को क्या छोड़ेंगे इसी के पास में फॉरेस्ट की लैंड भी आई हुई है जो अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे है उपखंड अधिकारी महोदय द्वारा तो ध्यान देना ही उचित नहीं समझते तहसीलदार महोदय ऑफिस से बाहर नहीं निकलते व पटवारी व राजस्व निरीक्षक को यह भूमाफिया खरीद लेते हैं वह खुद का बड़ा-बड़ा रिसोर्ट बनाकर उसमे धंधा करते हैं क्योंकि जंगली जानवर आएंगे तो जाएंगे कहां जब यह होटल वह रिसोर्ट्ट बनने चालू हो गया तो जहां पर गोचर की भूमि गाय माता वह जानवरों के लिए आरक्षित होती है उस पर भी कब्जा करके लोगों ने खुलेआम बड़ी-बड़ी होटले बनानी चालू कर दि है क्योंकि हर पंचायत क्षेत्र में गोचर भूमि है उन सभी गोचर भूमि में भूमाफियाओं का कब्जा है क्योंकि भूमाफिया पहले से कर ताक मे रहते हैं सबसे ज्यादा महंगी जमीन है यह गोचर भूमि ही होती है उसको फजीर्वाड़ा मे कर फिर हेरा फेरी करके उस जमीनों को बेच देते हैं फिर कोई बहारी लोग जाकर उसमें फंस जाते हैं फिर उन्हें मजबूरी में इन अधिकारियों की गुलामी करनी पड़ती है पर आदि होगी जब कामबेश्वर महादेव मंदिर के पास पहाड़ीयो वह कोलर की पहाड़ियों पर भी होटल बननी चालू हो गई रिसोर्ट बनने चालू हो गया क्योंकि पटवारी व राजस्व निरीक्षकों का ध्यान पूरा उस पर रहता है पर धन के आगे सब नतमस्तक रहते हैं धन के आगे किसी की नहीं चलती क्योंकि बड़े अधिकारियों पर दबाव बनाकर धन की मांग करते हैं फिर वह धन लाकर इनको दे देते हैं फिर यह छोटा अधिकारी धन लाकर नहीं देंगे तो इनका ट्रांसफर करवाया जाता है इन भूमाफियाओ से यह धन की मांग करते हैं फिर भूमाफिया उसका फायदा उठाकर 1 फीट जमीन से हजारों फीट जमीन पर कब्जा कर लेते हैं वह जवाई बांध क्षेत्र में सैकड़ो बिधा का उल्टे सीधे कब्जे हो रहा है यहां पर राजस्थान सरकार मंत्री महोदय वह प्रभारी मंत्री के के बिश्नोई को शिवगंज में मीटिंग करने नहीं दिया जाता है वह जब बारिश नहीं हो रही थी तब सरकार ने प्रभारी सचिव महोदया बनकर राजस्थान सरकार की और से इनको यहां भेजा तब स्थानीय पत्रकारों वह कुछ जनप्रतिनिधियों ने यहां की बातें उठाई वह पूरी हकीकत जानकारी उनको बताई तब नाराज हो गई उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाकर इधर की व्यवस्था सुधारने की बात कही तब अधिकारियों ने इस बार जब वह प्रवास पर आई तब उन्हें स्थानीय पत्रकारों व जनप्रतिनिधियों को बुलाने उचित नहीं समझा तीसरे दिन जब आने का पता चला तभी सबको पता चला कि यहां पर कौन उल्टा सीधा काम करवा रहा है इसी क्षेत्र की जांच करवाई जाए तो गोचर भूमि कितने बिधो में पड़ी है सबसे ज्यादा कोलर डुवन गोडाना धुरबाणा क्षेत्र व कामबेश्वर महादेव की पहाड़ियों में बड़गांव रघुनाथपुरा सहित आसपास क्षेत्रों में कितने बीघा गोचर भूमि पड़ी है उस गोचर भूमि को खुली करवाई जाए वह इन गोचर भूमि पर कितना भूमि पर इनका कब्जा है उसे तुरंत हटाना चाहिए वह जंगली जानवरों के रहने के लिए वहां पर झाड़ियां लगानी चाहिए क्योंकि ऐसे ही महात्मा गांधी नरेगा कर्मचारी फोकट का पैसा उठाते हैं उन्हें हर क्षेत्र में पेड़ पौधे लगाने का आदेश देना चाहिए कि वहां पर पेड़ पौधे लगाकर जंगली जानवरों के रहने की सुविधा कर सके ऐसे ही इन क्षेत्रों में सैकड़ो तेंदूऐ भालू सियार लोमड़ी हिरण नीलगाय खरगोश और अन्य जंगली जानवर रहते हैं उनकी रक्षा करनी तो दूर की बात यह लोग उनका शिकार करने में सहायता करते हैं यह रिसीर्ट मालिक वह होटल वाले बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर अपनी एडवर्टाइज करते हैं वह लोगों को बुलाकर जिप्सी में खुलेआम घूमते हैं इसके बाद भी इन सरकारी कर्मचारियों की नींद नहीं खुलती और वह लोग जंगली जानवरों का शिकार कर अपना भोजन करते हैं वह ईन पहाड़ियों के पास में जितने भी रिसोर्ट बने उन पर से अतिक्रमण हटाना चाहिए यह सभी जमीन है जो गोचर फौरेसट विभाग जंगल की जमीन है वहां पर जंगली जानवरों के लिए आरक्षित रखनी चाहिए कि लोग आकर यहां पर उनका शिकार न कर सके इस क्षेत्र में जितने भी गाड़ियां खुलेआम घूम रही है उन्हें परिवहन विभाग द्वारा जब्त करनी चाहिए तब जाकर भगवान शिव की नगरी कामबेश्वरजी महादेव इलाका है का वह कोलर माताजी की पहाड़ियों में जंगली जानवर खुल्ले आम रह सकते हैं क्योंकि यहां पर अधिकारी खाली आकर बातें करते हैं नहीं किसी को रोकते हैं और नहीं किसी के विरुद्ध कार्रवाई करते तो भविष्य में यह लोग कभी दिखाई नहीं वही लोग यहां पर आकर इन जंगली जानवरों की रक्षा कर सकते हैं यहां पर कोलर हिल्स नाम से एक बड़ा गोचर भूमि में रिसोर्ट बनाएं इसके मालिक ने उपखंड अधिकारी में फर्जी डॉक्यूमेंट भेज कर वह तहसील कार्यालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर उसका फजीर्वाड़ा करना चाहते हैं लोगों को गुमराह करके जो फजीर्वाड़ा कर देंगे फिर उसे रिसोर्ट में अब बिना स्वीकृति के इतने जोर-जोर से डीजे बजाए जा रहे हैं जिससे जंगली जानवर परेशान हो रहा है अगर इसकी स्वीकृति मिल गई तो समझ लो यह लोग क्या करेंगे सरकारी जमीन को भी नहीं छोड़ेंगे इसलिए जितनी भी सरकारी जमीन फॉरेस्ट लैंड गोचर भूमि पर हुए अतिक्रमण को तुरंत हटाना चाहिए वह यहां पर बैठे पुराने पटवारी राजस्व निरीक्षक व फॉरेस्ट के अधिकारियों को हटाना चाहिए नए अधिकारियों को लाकर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए नहीं तो यहां की जनता को बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा जिसकी तमाम जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी यह अतिक्रमण करने वाले उल्टा चोर कोतवाल को डांटे पञकारो को घमकीया देते है फिर भी यह राजस्व विभाग व फौरेसट विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अभी तक कोई कारवाई नही की

ईनका क्या कहना है

शिवगंज सिरोही तहसील कार्यालय व उपखंड क्षेत्र के पंचायत समिति के क्षेत्रों में सैकडों बिधा भूमि पर कब्जा कर लिया है जो जंगलों जानवरों के निवास करने की जमीन पर कब्जा कर बडी बडी होटलों व रिसोर्ट बनाकर खुल्ले आम धंधा कर रहे हैं वहां पर कोई भी कारवाई नही कर रहे है मोती महाराज की धुणी की पहाड़ियों मे कामबेश्वरजी महादेव मंदिर व कोलर की पहाड़ियों व आसपास गांवो से हजारो बिधा गोचर व फौरेसट की जमीन पडी है वहाँ पर होटले रिसोर्ट बन गया है प्रशासन कोई कारवाई नही कर रहे है कब कारवाई होगी कमलसिह चौहान समाजसेवी गौरक्षक शिवगंज

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ठेकेदार की लापरवाही आई सामने

सड़क बीच मलबे मिट्टी के ढ़ेर से टकराया युवक गंभीर घायल

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, पुराने बस स्टैंड मार्ग पर बनी घटिया सड़क निर्माण को पुनः तोड़कर नई सड़क निर्माण कार्य तो पुरा हो गया पर घटिया सड़क का निकला सिमेंट पत्थर मिश्रित मलबा और सड़क पर पानी की तराई के लिए डाली चिकनी मिट्टी और ढेर आयेदिन लोगों को चौटिल कर रहा है कल रात को साढ़े नौ बजे के करीब देवेश्वर महादेव मंदिर के सामने सड़क बीच पड़े मलबे के ढ़ेर से एक बाइक सवार युवक टकराने से गंभीर घायल होने पर आस पास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया युवक के सर में गंभीर चोट लगने से खुन निकलता रहा वहीं कल दुपहर को एक बुजुर्ग दंपति सड़क पर बिखरी पड़ी मिट्टी पर फिसलने से दम्पत्ति सड़क बीच गिर गये आस पास के लोगों ने बुर्जुग दम्पति को थोड़ी देर छाया में बिठाकर रवाना किया गनीमत रही बुर्जुग दम्पत्ति किसी गंभीर चौट लगने से बच गए सड़क बीच मलबे का ढेर और चिकनी मिट्टी पड़ी रहने से आयेदिन लोग नुकसान उठा रहे हैं कारण सड़क बीच पड़ा मलबा रात्रि समय में सामने से आ रही गाड़ी की लाइट के कारण मलबे का पता पास जाने पर ही लगता है पीडब्ल्यूडी अधिकारी ठेकेदार तुरंत मलबा हटाने की कार्यवाही करें!

भक्ति रा मार्ग झीणा तप बिन तेज नहीं जल बिन जगत नहीं

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, भक्ति तप साधना प्रचार प्रसार का विषय नहीं है और ना किसी को अपनी तप साधना भक्ति का प्रदर्शन करने की जरूरत है यह सब गुप्त एकांत में एकाग्र होकर करनें का कल्याणकारी जीवन को सफल बनाने का मार्ग है चातुर्मास यानी (सब रंगों में एक रंग चारों तरफ चातुर्मास) बरसाती चार महीने सब जगह हरीयाली की चादर संत महात्मा महापुरुष योगी ऋषि मुनि तपस्वी चातुर्मास के दौरान एकांतवास कर अपने भजन तप साधना में लीन रहते हैं और चातुर्मास में एकांतवास में तप साधना भजन करने की परम्परा हजारों सालों से अनवरत चली आ रही है चातुर्मास में असंख्य जीवों की उत्पत्ति होती उन्हें तन मन वाणी से कोई क्षति ना हो यही चातुर्मास का मूल और तप साधना का अलौकिक समय समझा जा सकता है चातुर्मास गुरु पूर्णिमा जैसे सनातन समाज के पवित्र पर्व और गुरु के प्रति समर्पित भाव का प्रकटीकरण का उत्सव हर वर्ष मनाया जाता रहा है आगे भी यह परम्परा निरंतर जारी रहेगी वर्तमान समय में चातुर्मास का कार्यक्रम हो अथवा गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन का उत्सव हर जगह अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करने के बड़े बड़े प्रचार हर कई कम्पिटीशन में अधिक से अधिक शिष्य बनाने ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने में जबकि भक्ति का मार्ग बहुत ही झीणा है!

लगातार विधालय में पेड पौधे लगाएँ जा रहे है

एक मॉ एक पौधे अभियान चलाया जाएंगा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज संघवी बाबूलाल अचलाजी जैन (तखतगढ़वाला) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादावाड़ी शिवगंज में प्रधानाचार्य डॉ हनवंतसिह मेड़तिया के निदेर्शानुसार धरती मां को हरियाली से आच्छादित करने के उद्देश्य से स्काउट्स विद्यार्थियों ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ शिवगंज के सचिव रमेशचन्द्र आगलेचा, सहायक स्काउट प्रभारी राजेन्द्रकुमार गेहलोत, शारिरीक शिक्षक श्रवणसिंह देवड़ा व शिक्षिका चंदा मीणा की देखरेख में विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। व्याख्याता बलवंतसिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों को प्रकृति प्रेमी बनने की सीख दी। स्काउट सचिव रमेशचन्द्र आगलेचा ने स्काउट्स को स्काउट के पांचवें नियम - स्काउट पशु-पक्षियों का मित्र और प्रकृति प्रेमी होता है, का स्मरण कराते हुए कहा कि स्काउट के जीवदया की भावना व पर्यावरण संरक्षण में योगदान की भूमिका होनी चाहिए। प्रधानाचार्य डॉ मेड़तिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित से अनुशासन में रहने की सीख दी। पौधारोपण कार्यक्रम में स्काउट्स व कक्षा ग्यारहवीं विद्यार्थियों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ का सहयोग रहा।

सरगरा के जन्मदिन पर नई पहल पौधा रोपण किया

एक पौधा हर नागरिक को लगाना चाहिए

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज क्षत्रिय सरगरा समाज विकास समिति खुडाला फालना के अध्यक्ष दिनेश सरगरा के जन्मदिन पर क्षत्रिय सरगरा समाज विकास समिति खुडाला फालना छात्रावास भुमि पर वर्षा रोपण किया गया अध्यक्ष दिनेश सरगरा ने कहा राजस्थान सरकार ने वर्षा रोपण कि जिम्मेदारी दी गई है सम्पूर्ण सरकारी संस्था व समाज के संगठन समितियो सबका सहयोग रहे क्षत्रिय सरगरा समाज विकास समिति खुडाला फालना के 80 सदस्य गण महिला मण्डल है सम्पूर्ण पदाधिकारी सदस्य गणो ने संकल्प लिया हर सदस्य गण द्वारा 21-21 वर्षा रोपण कर समिति का नाम रोशन करें और हमारा देश हमारा राजस्थान हरा भरा हो उपस्थिति सरक्षक मनोज सोलंकी उपाध्यक्ष मांगीलाल सलाहकार मुकेश मारू सलाहकार देवाराम दाणेशा सांस्कृतिक मंत्री अमृत भन्देशा प्रचार मंत्री प्रकाश जेतपुरा भीमाराम बाबुलाल रमेश किसोर समाज व उच्च अधिकारियों महोदय द्वारा भी सोशल मीडिया पर जन्म दिन की बधाई देते हुए

एक अरब की भूमि को भूमाफियाओ ने कुछ पैसा जमा कराकर खुदॅबुदॅ परिषद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है

परिषद में जमीनो के नाम पर पूर्व विधायक व सभापति ने भष्ट्राचार किया है

द पुलिस पोस्ट

सिरोही राजीव नगर आवासीय योजना की भूमि खुर्दबुर्द करने एवं भूमाफियाओं के हक में समझौता पत्र व तत्कालीन सभापति के कतिपय फर्जी बनाएं प्रशासनिक कमेटी के प्रस्ताव को बिना बोर्ड सभापति के जानकारी के परिषद के सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता को देकर शहर के मध्य में स्थित 35बीघा 2 बिसवा लगभग सौ करोड़ की बेशकीमती भूमि को भूमाफिया से आनलाइन लगभग 23 लांख रुपए नगर परिषद में जमा कराकर बेशकीमती भूमि को खुर्दबुर्द करने वाले आयुक्त व रिट पिटीशन 1251/08 के नगर परिषद के हक में हाईकोर्ट से 2017 में हुये निर्णय के विरुद्ध हाईकोर्ट डबल बेंच में गैरकानूनी भूमि का मालिकाना हक ना होते हुए भी अपील कर गया उस वक्त मेने कार्यवाहक आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार देख रहे आयुक्त को दस्तावेज राजीव नगर आवासीय योजना के लिए नगरपालिका ने तेजाराम से खरिदी भूमि का पुनः छगनलाल पुराजी के नाम वसीयत करने और तेजाराम के मृत्यु बाद वसीयत छगनलाल के हक मे पंजीकरण कराने में गिरीश के सहमति शपथपत्र व पंजीयन में बतौर गवाह हस्ताक्षर करने की जानकारी के साथ उस वक्त के कार्यवाहक आयुक्त को छगनलाल के हक में पंजीकृत हुई वसीयत व वसीयत में गिरीश की सहमति और शपथपत्र देने के बाद भी गैरकानूनी गरीश के रिट पिटीशन 1251/08 के विरुद्ध अपील करने पर आयुक्त वसीयत व गिरीश के शपथपत्र जो छगनलाल के हक में दिये थे उक्त दस्तावेज आयुक्त को देने के बावजूद आयुक्त ने वास्तविक स्थिति से कोर्ट को अवगत नहीं कराया जिसके कारण गिरीश के पक्ष मे चार 1800 वर्ग फिट के प्लोट और 175 की कार्यवाही जारी रखने का फैसला हुआ और नगर परिषद को हाईकोर्ट में रिव्यू लगाने के बजाय सुप्रीम कोर्ट चले गए अब भूमि को खुर्दबुर्द करने का खेल चला जिस आयुक्त ने गिरीश की अपील पर हाईकोर्ट में छगनलाल के पक्ष में वसीयत की उक्त वसीयत को हाईकोर्ट के संज्ञान में नहीं लाने वाले आयुक्त समझौता करने एवं तत्कालीन सभापति का कतिपय फर्जी प्रस्ताव देकर भूमि को खुर्दबुर्द करने वाले आयुक्तों के खिलाफ अविलंब एफआईआर दर्ज कराई जाये माननीय सभापति मैहद्र मेवाड़ा जी माननीय पंचायतीराज मंत्री श्री ओटाराम जी देवासी माननीय क्षेत्रीय सांसद श्री लुम्बारामजी चौधरी अगर इस फजीर्वाड़े में आपका कोई हितलाभ नहीं जूड़ा हुआ है तो तत्काल इन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के साथ इनकी चल अचल संपत्ति की जांच करवाई जाये ज्ञात रहे गत वर्ष नगर परिषद सिरोही की संयम लोढ़ा जी के विधायक के सानिध्य में आयोजित बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास कर राजीव नगर आवासीय योजना में भूमिहीन आवेदन कताओं के फार्म निरस्त करने का प्रस्ताव पास किया गया था संयम लोढ़ा के सानिध्य में सभापति मैहद्र मेवाड़ा के नेतृत्व में एंव कांग्रेस भाजपा निर्दलीय पार्षदों की सहमति से आवेदन कताओं के आवेदन फार्म खारिज करने का प्रस्ताव पास किया गया था यह खुर्दबुर्द की कहानी आम लोगों को समझने की जरूरत है यह समझना भी जरूरी है कि हाईकोर्ट में वसीयत का खुलासा किसके कहने पर नहीं किया गया योगेश आचार्य ने किसके कहने पर सुप्रीम कोर्ट में कतिपय फर्जी प्रस्ताव एवं समझौता करने के लिए हामी भरी इतना बड़ा फैसला लेने के पीछे कोई किरदार होगा जिसके नाम तेजाराम जी ने वसीयत की वो व्यक्ति कहा काम कर रहा है और उस धनाढ्य व्यक्ति के किस नेता से संम्बध है यह सब समझने की जरूरत है कि असली खिलाड़ी कौन है और मोहरा कौन!

शिक्षको को मिलेगी सूचनाओं के भार से मुक्ति निदेशक

द पुलिस पोस्ट

शिवगंजः शिक्षा विभाग में शाला दर्पण पोर्टल पर मौजूद सूचना को कार्यालयों द्वारा मांगे जाने पर सूचनायें नहीं दि जाये यह उद?गार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल के समक्ष व्यक्त किये।संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया कि शिक्षा विभाग में शाला दर्पण एंव अन्य ऑनलाईन प्लेटफार्म पर समस्त सूचनायें मौजूद होने के बावजूद विभिन्न कार्यालयों द्वारा बार-बार सूचना मांगकर विद्यालय एंव स्टाफ का बेबूनियाद समय व्यर्थ ना हो इसकी सार्थक पहल निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर आशीष मोदी ने की। जिस पर संगठन ने निदेशक के निर्णय की सराहना की। इस निर्णय के पीछे मुख्य उदेश्य यह है कि विद्यालयों से एक ही सूचना जो शाला दर्पण पर मौजूद है वो सूचनायें शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों द्वारा ऑफलाईन फार्मेट में मांगी जाती है जिससे स्कुल स्टाफ का समय बर्बाद होता है तथा छात्रों की पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ज्ञात रहे प्रत्येक स्कुल में रिक्त पदों की संख्या अधिक होने से प्रत्येक कार्मिक पर कार्यभार बढा हुआ है। ऐसे में बार-बार ऑनलाईन उपलब्ध सूचनाओ को ऑफलाईन माध्यम से मंगवाने कतई उचित प्रतित नहीं होता है। साथ ही उच्च स्तर से जारी पत्रों पर शिक्षा अधिकारीयों द्वारा टिप्पणी कर उसे सीधे संस्था प्रधानों को भेज दिया जाता है। जबकि फार्मेट मे जिला स्तर की सूचना मांगी जाती है तो संस्था प्रधान को इस फॉर्मेट की भाषा से संशय की स्थिति का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निजात दिलाने का प्रभावी कदम से शिक्षा विभाग के कार्मिकों पर अनावश्यक दबाव कम होगा। इस अनूठी पहल से शिक्षकों को राहत मिलेगी तथा साथ ही छात्रों की पढ़ाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। निदेशक मोदी ने संगठन को इस संदर्भ में आश्वस्त किया कि इस मैसेज को संगठन स्तर पर व्यापक रूप देकर शाला दर्पण उपलब्ध सूचना को न देने का प्रचार प्रसार किया जाये। संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने निदेशक के इस कदम की सराहना की। निदेशालय के स्टाफ ऑफिसर अरुण शर्मा भी निदेशक के साथ उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष नीरज शर्मा, सभाध्यक्ष धुलीराम डांगी, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. हनवन्त सिंह मेड़तिया, लच्छीराम गुर्जर, नलीन शर्मा, सुनिल व्यास, रमेश रांगी मौजुद थे।

आज माली समाज धर्मशाला में गोकुल वाडी में मेडिकल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज गोकुल वाडी माली समाज धर्मशाला मे अहमदाबाद की स्टर्लिंग हॉस्पिटल अहमदाबाद एवं महावीर इंटरनेशनल शिवगंज सुमेरपुर के संयुक्त तत्वाधान में 21 जुलाई रविवार को माली समाज धर्मशाला गोकुल वाडी शिवगंज में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच सिविर का आयोजन किया जा रहा है शिविर के संयोजक दीपक गोयल ने बताया कि 21 जुलाई को प्राप्त है 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक माली समाज धर्मशाला शिवगंज आयोजित होगा शिविर के दौरान वरिष्ठ विशेषज्ञों के देखरेख में आने वाले पेशंटों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच करने के साथ विशेष कर घुटना व हार्ड के पीड़ित मरीजो की अहमदाबाद के स्टर्लिंग हॉस्पिटल के डॉक्टर स्पेशलिस्ट अपनी सेवाएं देकर लाभांत करेंगे महावीर इंटरनेशनल जोनल अध्यक्ष अनिल जैन व अध्यक्ष माधव दत्त दवे ने बताया कि शिविर में स्टर्लिंग हॉस्पिटल अहमदाबाद के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉक्टर हिमांशु माथुर एवं सीनियर इंटरनेशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रसेष पोथीवाला एंड टीम अपने निशुल्क सेवाएं देंगे महावीर इंटरनेशनल के मार्गदर्शक एडवोकेट महेंद्र गहलोत ने पीड़ित पेसेंटो से शिविर में अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं का लाभ निशुल्क स्वास्थ्य जांच कर कर लाभ लेने का आग्रह किया है कैंप की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं तैयारी अंतिम रूप देने वाले कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल उअ मुकेश परमार नरेश सांखला योगेश पटवा मितेश गोयल उअ पंकज जैन सहित महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारी ने कैंप की तैयारी को अंतिम रूप दिया

पैरों पर खडे रहकर साधु महात्मा चतुर्मास करेगे

ईस क्षेत्र में अच्छी बारिश व शान्ति के लिए लगातार पैरों पर खडे रहकर करते हैं चतुर्मास

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज शनिधाम कामेश्वर महादेव रोड नाथ सम्प्रदाय में एक सिद्ध पुरुष हुऐ जिनको लोग अवधूत बाबा श्री खेतानाथ जी बहुत बडे लिघ पुरुष थे उन्होने अपने जीवन काल मे बहुत साधनाऐ एवं तपस्या भी किया दादा गुरु खेतानाथ जी ने बहुत सारे कोलेज एवं होस्पीटल भी बनवाये आज पुरे भारत वर्ष मे उनके नाम से आश्रम भी है बहुत सारे शिष्य भी हुऐ जिसमे से एक बाबा श्री रविनाथ जी हुए दादा गुरु खेतानाथ जी के सबसे प्रिय शिष्य माने जाते थे उन्होने छोटी उम्र मे ही नाथ पंथ की दीक्षा ग्रहण कर लिया था छोटी उम्र मे ही इनको ऐसा भक्ति का पएरआलव हुआ कि एक दिन 12 ज्योतिर्लिंगों मे से एक ज्योतिर्लिंग भीमाशंकर भी है उन्हीं के समक्ष खड़े होकर यह प्रण लिया कि आज के बाद मे 12 साल खडे रहकर तपस्या करुंगा बस उसके बाद उनको भक्तिमय कर लिया कुछ समय भीमाशंकर मे तपस्या करने के बाद बाबा खड़ेश्वरी महाराज पुणे नगरी मे आकर छोटी सी एक पहाडी पे आकर तपस्या करने लगे और वहा एक बहुत बडा धाम बना दिया जिसको आज टेकरी के नाम से जाना जाता है वही यह रखकर बावजी ने अपनी खडी तपस्या सम्पूर्ण किया और वो खड़ेश्वरी बाबा के नाम से जग विलुप्त हुए आज उनको खड़ेश्वरी महाराज के नाम से जाना जाता है उन्होने अपने जीवन काल मे बहुत से भंडारे भी किये जो नाथ सम्प्रदाय मे आठ मान के बडे भंडारे माने जाते हैं और 12 साल मे एक बार नाथो कि झनडी यात्रा भी कई बार सेवा करने का भी उनको अवसर मिला श्री योगी खड़ेश्वरी महाराज ने अपने जीवन काल मे उनको मन्दिरो का भी निर्माण कराया दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक,इन राज्यो मे मन्दिरो का निर्माण कराया एक बार की बात है कि जब अपने कुटिया मे माला मे ध्यान लगा रहे थे उनको शनिदेव ने आदेश दिया कि आप नंगे पैर चल कर तेल कि कांवड़ लेकर मेरे धाम यानी शनी सिंगापुर आओ और उसके बाद मेरे शनि मन्दिर स्थापना कर हर कि राज्य मे श्री योगी खड़ेश्वरी महाराज ने शनिदेव का आदेश पालन किया और उनको राज्यो मे शनिदेव मंदिर का राजस्थान सिरोही जिले के शिवगंज मे भी है वहा पर बावजी ने शनिदेव मन्दिर कि स्थापना किया महादेव व नवदुर्गा एक सुन्दर गुफा का भी निर्माण किया जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते है श्री योगी खड़ेश्वरी महाराज ने अपने भक्तों को ऐसा भक्ति मय कर डाला की आज उनके भक्त आदेश कि पालना करने के लिए कुछ भी नपोहरण कर सकते है ऐसे खड़ेश्वरी महाराज को उनके शिष्य हुए कोटि कोटि नमन है श्री खड़ेश्वरी महाराज तो ब्राह्मलीन हो गये बावजी के उनके शिष्य गण हुए जिनमे से एक श्री योगी राजनाथ जी खड़ेश्वरी महाराज है गुरु देव का आदेश था कि राजनाथ खडी तपस्या को उनका आदेश पालन करते हुए उनको भी 14 साल हो चुके हैं आज शिवगंज कि नगरी शनिधाम ब्राह्मलीन श्री श्री 1008 योगी रविदनाथ जी खडेश्वरी महाराज का एक भव्य मंदिर निर्माण होने जारा है जिसकी यह श्री श्री योगी कृष्णा नाथजी कर रहे हैं गुरु देव बनाये गये मन्दिर का संचालन भी योगी कृष्ण नाथ जी की अध्यक्षता में हो रहा है अभी हाल शनिधाम में श्री योगी राजनाथ जी महाराज 14 साल से खडे तपस्या कर रहे है दिन रात 14 साल हुआ आज भी खडे तपस्या चालु हे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा देश का सरोकार है। वैसे तो पीएम की सुरक्षा का मुद्दा सार्वकालिक है, लेकिन अब यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए हमले के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक है। उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर पीएम मोदी की सुरक्षा पर चिन्ता जताई है। कुछ सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने मौजूदा नफरती राजनीति को ही बुनियादी कारण माना है कि प्रधानमंत्री लगातार कांग्रेस समेत विपक्ष के निशाने पर रहते हैं। उन पर कभी भी हमला किया जा सकता है। वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी की सलाह है कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर 'हिंसा, हत्या, मौत' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि ये किसी भी नागरिक को भड़का सकते हैं। राजनीति में यह हिंसक प्रवृत्ति बीते एक दशक के दौरान ज्यादा बढ़ी है। सहिष्णुता और सद्भाव गायब होते जा रहे हैं। कांग्रेस समेत विपक्ष के नेता भाजपा-एनडीए की नीतियों का विरोध करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी को निजी तौर पर निशाना बना रहे हैं। विपक्ष की राजनीति का यह स्वरूप भारतीय लोकतंत्र की परंपरा नहीं रहा है, ऐसे में मौजूदा राजनीति में बढ़ रहे नफरती बोल को तत्काल रोकने की जरूरत है। पीएम मोदी को लेकर कांग्रेस नेताओं की अमर्यादित भाषा से दूषित हो रही सियासत का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस के नफरती निशाने पर प्रधानमंत्री

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी नफरती राजनीति अभूतपूर्व और असभ्य है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, पांच दशकों से अधिक समय तक देश पर शासन किया है, लेकिन अब पार्टी रसातल की ओर है। सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देकर या उनके प्रति नफरत फैलाकर वोट हासिल किए जा सकते हैं? नरेन्द्र मोदी ने भी राजनेता की हैसियत से कड़े शब्द कहे थे, लेकिन उनके भाव मारने-काटने, हत्या कर देने या बेरोज़गार युवा डंडे से पीटेंगे आदि नहीं थे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो चिंतित सरोकार है, लेकिन हमारी राजनीति की गरिमा और शालीन व्यवहार भी दांव पर हैं कि कांग्रेस की राजनीति कितनी नीचे तक गिर सकती है। इसे रोका जाना चाहिए।

संदर्भ मई, 2014 का है। लोकसभा चुनाव के प्रचार में 10-12 दिन शेष थे। जाहिर है कि न तो जनादेश सार्वजनिक हुआ था और न ही नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। अलबत्ता मीडिया से संवाद और साक्षात्कार के दौरान उन्होंने यह जरूर कहा था कि यदि हमारी सरकार बनी, तो 1993 के मुंबई सांप्रदायिक दंगों के आरोपियों को भारत लाएंगे। भाजपा के तत्कालीन प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का भी जिक्र किया था कि उसे भी भारत लाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे। ऐसे बयान सुनकर एक अन्य डॉन ने मीडिया के जरिये मोदी को मारने की धमकी दी थी। यह भी कहा था कि 'दाऊद को तब भारत ला पाएंगे, जब जिंदा बचेंगे। मोदी गांधीनगर भी वापस नहीं जा पाएंगे।' मीडिया के जिन चेहरों के जरिये वह धमकी दी गई थी, उन्होंने भारत सरकार में संबद्ध अधिकारियों को खुलासा कर दिया था। उसके बाद मोदी बीते 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और दाऊद को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है। ऐसे दावे 1993 के बाद की सरकारों ने लगातार किए हैं। पाकिस्तान में दाऊद के आवास के चित्रमय सबूत भी सार्वजनिक किए गए हैं, लेकिन डॉन पाकिस्तान में ही है। मोदी को धमकी देने वाला डॉन कौन था, वह भी आज तक रहस्य रहा है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा सरोकार

बहरहाल विश्लेषण अंडरवर्ल्ड डॉन को लेकर नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा देश का सरोकार है। वैसे तो प्रधानमंत्री की सुरक्षा का मुद्दा सार्वकालिक है, लेकिन अब यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए हमले के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक है। उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह ने एक अंग्रेजी अख़बार में लेख लिखकर प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा पर चिन्ता जताई है। कुछ सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने मौजूदा नफरती राजनीति को ही बुनियादी कारण माना है कि प्रधानमंत्री लगातार निशाने पर रहते हैं। उन पर कभी भी हमला किया जा सकता है। वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी की सलाह है कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर हिंसा, हत्या, मौत सरीखे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि ये किसी भी नागरिक को भड़का सकते हैं। राजनीति में यह हिंसक प्रवृत्ति बीते एक दशक के दौरान ज्यादा बढ़ी है। सहिष्णुता और सद्भाव गायब होते जा रहे हैं। कांग्रेस भाजपा-एनडीए की नीतियों का विरोध करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी को निजी तौर पर निशाना बना रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम चुनाव के दौरान जून में, वाराणसी में, प्रधानमंत्री के काफिले पर किसी ने चप्पल फेंकने का दुस्साहस किया। वह बम या ग्रेनेड भी हो सकता था। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी थी कि अब लोग मोदी से डरते नहीं हैं। फरवरी, 2020 में राहुल गांधी ने यहां तक बयान दे दिया था- 'ये जो नरेन्द्र मोदी भाषण दे रहा है, छह महीने के बाद यह घर से बाहर नहीं निकल पाएगा। हिन्दुस्तान के युवा इसको ऐसा ... मारेंगे, इसको समझा देंगे कि हिन्दुस्तान के युवा को रोज़गार दिए बिना यह देश आगे नहीं बढ़ सकता।' यह उस पार्टी की नेता की भाषा थी, जो पार्टी देश की विरासत, संस्कृति, बहुलता, विविधता, संस्कार को संभालने का दावा करती है। यह उस पार्टी की नेता की भाषा थी, जो देश की सबसे पुरानी व स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाली पार्टी मानी जाती है। यह उस पार्टी के नेता की भाषा थी, जो महात्मा गांधी की विरासत का उतराधिकारी होने का दावा करती है। नरेन्द्र मोदी के लिए यह उस नेता की भाषा थी, जो नेहरू व इंदिरा गांधी के परिवार के वंशज हैं।

पहले भाषण में ही हिंसा

जब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गए, तो उन्होंने अपने पहले भाषण में ही हिंसा और हत्या सरीखे शब्दों का कई बार इस्तेमाल किया। चप्पल फेंकना भी प्रधानमंत्री की चाक-चौबंद और अति प्रशिक्षित सुरक्षा-व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। पंजाब के फिरोजपुर इलाके में प्रधानमंत्री के काफिले को एक हाईवे पर अटक जाना पड़ा, तो उस स्थान पर पाकिस्तान की तरफ से हमला किया जा सकता था! कांग्रेस और राहुल गांधी के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत खूब भरी है। वे इसे चुनावी मुद्दा मानते रहे हैं, लिहाजा 2019 के आम चुनाव से पहले 'चौकीदार चोर है' को चुनावी नारा बनाया था। यह दीगर है कि देश ने कांग्रेस को खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा 'स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप' (एसपीजी) के जवान करते हैं। उनके पास अत्याधुनिक हथियार होते हैं और ऐसी तकनीकी व्यवस्था होती है कि प्रधानमंत्री को हवा भी छू नहीं सकती। एसपीजी प्रधानमंत्री के तौर पर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को उपलब्ध नहीं थी, क्योंकि तब तक इसका गठन ही नहीं हुआ था। इसका गठन तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव की सरकार के दौरान किया गया, जब राजीव गांधी की हत्या पर विमर्श किया जा रहा था। उसके बाद एसपीजी की सुरक्षा सिर्फ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री को और उनके निकटस्थ परिजनों को सीआरपीएफ या एनएसजी के कमांडोज की सुरक्षा दी जाती है। राजीव गांधी के बाद किसी भी प्रधानमंत्री को 'आसान निशाना' नहीं बनाया जा सका और न उन पर हमला किया जा सका।

अपशब्दों का इस्तेमाल

बहरहाल इन कथनों और घटनाओं के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने बयान दिया था कि 'मोदी हिटलर की मौत मरेगा।' 'मोदी की बोटी-बोटी करने' का बयान देने वाला शख्स आज लोकसभा में कांग्रेस सांसद है। कांग्रेस में ही किसी ने यहां तक बयान दिया कि 'मोदी के सिर पर डंडे मारने चाहिए'। प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है, उसकी एक लंबी सूची है। दरअसल नफरत और गालियों का यह सिलसिला 2007 के गुजरात विधानसभा चुनाव से हुआ, जब तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुख्यमंत्री मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' विशेषण का इस्तेमाल किया था। बाद में राहुल गांधी ने भी 'खून की दलाली' और 'ज़हर की खेती' सरीखे अपशब्द कहे थे। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले और बाद कांग्रेस नेताओं ने उनके लिए 'चायवाला', 'रावण', 'भस्मासुर', 'यमराज', 'बिच्छू', 'सांप', 'बंदर', अनपढ़', 'हिटलर', 'गंदी नाली का कीड़ा' आदि 100 से अधिक अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इन तमाम गालियों में मोदी के लिए कांग्रेस नेताओं की नफरत निहित थी। 2014 से आज तक यह नफरत जारी रही है, लेकिन उसका बुनियादी कारण आज तक समझ नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक हिंसात्मक शब्दों का प्रयोग नहीं किया। 2014 से कांग्रेस लगातार 3 लोकसभा चुनाव बुरी तरह हार चुकी है। आम चुनाव, 2024 में भी 13 राज्यों में कांग्रेस को 'शून्य' ही मिला है, जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के 232 सीट को बड़ा विजय मान रही है, इसमें कांग्रेस की अपनी सीट केवल 99 है। सौ सीट भी हासिल नहीं कर सकी। भाजपा के अकेले 240 सीट हैं, जो इंडिया ब्लॉक की 232 सीट से ज्यादा है। समाजवादी पार्टी की 'परजीवी' बनने के बावजूद सबसे बड़े राज्य उप्र में कांग्रेस के हिस्से सिर्फ 6 सीट ही आई हैं, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी कांग्रेस गठबंधन में भी कुछ खास नहीं कर सकी, लेकिन कांग्रेस खुद को ऐसे प्रदर्शित कर रही है, मानो लोकसभा का जनादेश कांग्रेस को ही मिला है!

राजनीति की गरिमा भी दांव पर

बीते 40 साल में कई चुनाव देखे हैं और राजनीति के रंग भी देखे हैं, लेकिन ऐसी नफरती राजनीति अभूतपूर्व और असभ्य है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, पांच दशकों से अधिक समय तक देश पर शासन किया है, लेकिन अब पार्टी रसातल की ओर है। सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देकर या उनके प्रति नफरत फैलाकर वोट हासिल किए जा सकते हैं? नरेन्द्र मोदी ने भी राजनेता की हैसियत से कुछ आपत्तिजनक शब्द कहे थे, लेकिन उनके भाव मारने-काटने, हत्या कर देने या बेरोज़गार युवा डंडे से पीटेंगे आदि नहीं थे। उन्होंने '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', 'युवराज' या 'शहजादा' सरीखे शब्दों का सार्वजनिक प्रयोग किया। ऐसी राजनीतिक भाषा भी ठीक नहीं है। अब सवाल देश के प्रधानमंत्री का है। मोदी देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। तीसरी बार पीएम बने हैं। यह देश के लोकतंत्र और मतदाताओं का जनादेश है, जिसे कांग्रेस या राहुल गांधी अथवा 'इंडिया' खारिज नहीं कर सकते। देश पहले भी दो प्रधानमंत्रियों की हत्या देख और झेल चुका है। कांग्रेस इस दर्द को भलिभांति जानती है। कांग्रेस नेताओं को समझना चाहिए कि दरअसल, ऐसे अपशब्द किसी को भी भड़का और उत्तेजित कर सकते हैं। उस मनःस्थिति में वह प्रधानमंत्री तक पर हमला कर सकता है। कई धमकीपूर्ण बयान किसान आंदोलन के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के लिए कहे गए। प्रधानमंत्री मोदी को मारने तक की बात कही गई और पुतले जलाए गए। पंजाब वाली घटना के दौरान नाराज़ और गुस्साए किसान भी प्रधानमंत्री की घेराबंदी कर सकते थे! कई राजनीतिक दल किसान आंदोलन के उन धमकीबाजों के साथ भी खड़े रहे। 26 जनवरी, 2021 को तो दिल्ली में ऐसा उपद्रव मचाया गया मानो दिल्ली पर ही किसी बाहरी शक्ति ने आक्रमण किया हो! प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो चिंतित सरोकार है, लेकिन हमारी राजनीति की गरिमा, सभ्यता और शालीन व्यवहार भी दांव पर हैं कि हमारी राजनीति कितनी नीचे तक गिर सकती है। इसे रोका जाना चाहिए और राजनीति मुद्दों, तथ्यों के आधार पर की जानी चाहिए। यही लोकतंत्र का सौन्दर्य है।

विकास के साथ रोजगार सृजन पर हो जोर

बजट उम्मीद

डॉ. अश्विनी महाजन

प्रोफेसर व अर्थशास्त्री

अंतरिम बजट फरवरी 2024 में वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया था, अब जुलाई 2024 में पूर्ण केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करने का समय आ गया है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों के साथ तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिसमें अर्थशास्त्री, किसान, एनबीएफसी, बाजार विशेषज्ञ और कई अन्य शामिल हैं।

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री आमंत्रित

19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपये में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.4% की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7% रहने को लेकर उत्साहित हैं। 2023-24 में, जून के पहले सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अब मोदी 3.0 के सामने चुनौती इस वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की है। राजकोषीय समझदारी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए यह एक पूर्व शर्त है। कम राजकोषीय घाटे को जारी रखने के बारे में आम सहमति थी। चूंकि सरकार ने पहले ही अंतरिम बजट 2024-25 में जीडीपी के 5.1% के राजकोषीय घाटे का प्रस्ताव रखा है, लेकिन कुछ ऐसी ज़रूरतें हैं जिनके कारण सरकार को पूंजीगत व्यय, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च; पीएलआई योजना, विशेष रूप से नए क्षेत्रों में उसके विस्तार के साथ। बेरोजगारी, शिक्षित युवा बेरोजगारी को संबोधित करने की भी तत्काल आवश्यकता है।

रोबोट टैक्स का सुझाव

बैठक में कुछ अर्थशास्त्रियों ने नई तकनीक, खास तौर पर एआई के कारण नौकरियों के नुकसान के बारे में चिंता जताई। एक राय यह थी कि हालांकि, हम नई तकनीक के उपयोग से बच नहीं सकते और न ही बचना चाहिए, लेकिन चूंकि इससे नौकरियां जा रही हैं, इसलिए जो लोग लाभ उठा रहे हैं, उन्हें नुकसान उठाने वालों की भरपाई करनी चाहिए। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए, यह सुझाव दिया गया कि 'रोबोट टैक्स' की संभावना तलाशी जा सकती है, जिसका उपयोग विस्थापित श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने और पुनर्वासित करने के लिए किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि हाल ही में आईएमएफ द्वारा एक पेपर में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि एआई रोजगार और मजदूरी को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन आईएमएफ ने यह भी कहा है कि श्रम बल के बड़े हिस्से को लंबे समय

तक काम से बाहर रख सकता है, जो एक दर्दनाक संक्रमण की ओर इंगित करता है।

डिज़ाइन किया जाए पीएलआई

उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के पहले चरण की सफलता से उत्साहित, जिसने एपीआई, रक्षा उपकरण, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य में चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद की, अर्थशास्त्रियों ने पीएलआई के अगले चरण को सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के इर्द-गिर्द डिज़ाइन करने का समर्थन किया। रोज़गार सृजन पर नज़र रखते हुए, अधिक संतुलित औद्योगिक विकास के लिए के लिए पीएलआई योजना को एमएसएमई के लिए डिज़ाइन करना महत्वपूर्ण है।

ई-उत्पादों पर सीमा शुल्क की तैयारी

यह समझा जाता है कि विश्व व्यापार संगठन के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के परिणाम के अनुसार, विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क पर रोक समाप्त हो जाएगी। डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने की तैयारी के रूप में, हम इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित सॉफ्टवेयर और अन्य डिजिटल वस्तुओं के लिए भारतीय सीमा शुल्क मैनुअल में विशिष्ट टैरिफ शीर्ष बनाकर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर शून्य प्रतिशत के सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र टैरिफ के साथ डिजिटाइज़ करने योग्य वस्तुओं पर सीमा शुल्क शुरू कर सकते हैं। इससे डेटा एकत्र करने और 01/04/2026 के बाद उचित दरों पर सीमा शुल्क लगाने में सुविधा होगी, जब विश्व व्यापार संगठन द्वारा ई-ट्रांसमिशन के सीमा शुल्क पर लगाई रोक समाप्त हो जाएगी।

निजी निवेश को बढ़ावा

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ई-उत्पादों पर टैरिफ लगाने से दीर्घकाल में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित उत्पादों में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन कई अन्य उद्योगों और स्टार्ट-अप में भी निवेश को बढ़ावा देने की तत्काल जरूरत है। घरेलू स्रोतों से इस निवेश को वित्तपोषित करने के लिए, हमें घरेलू निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल देने की आवश्यकता है। निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैठक में जिन सुझावों पर चर्चा की गई, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

1. वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के प्रवाह में घर्षण को दूर करने के लिए सूचीबद्ध, गैर-सूचीबद्ध क्षेत्रों के बीच दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ समानता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ आमतौर पर 10 और गैर-सूचीबद्ध शेयरों व अन्य परिसंपत्तियों पर 20% की दर से कर लगता है।
2. जैविक रसायन, प्लास्टिक और ईवी से संबंधित उपकरणों सहित चीन से आयात प्रतिस्थापन के लिए उत्पादन से जुड़ी पीएलआई योजना शुरू की जानी चाहिए।
3. छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए घोषित रक्षा गलियारों में प्लग एंड प्ले सुविधाओं, कॉमन टूल रूम और आरएंडडी सुविधाओं के साथ औद्योगिक पार्क स्थापित किए जा सकते हैं। उचित लागत पर रक्षा उत्पादन बढ़ाने के लिए 'इसरो मॉडल' को अपनाया जा सकता है।
4. हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'रिवर्स फ़्लिपिंग' वालों को अपेक्षित कर का भुगतान करना होगा और अधिकांश 'रिवर्स फ़्लिपिंग' करने वाले लोग इसे देने के लिए तैयार भी हैं, फिर भी लालफीताशाही और प्रक्रियाओं और ढेर सारे कागजी काम से जुड़े मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। चूंकि, यह एक बार का मामला है, इसलिए सरकार रिवर्स फ़्लिपिंग की सुविधा के लिए एक पैकेज ला सकती है और जो लोग वापस लौट रहे हैं उनके लिए असुविधा को कम कर सकती है। यह सभी के लिए लाभ की स्थिति हो सकती है; चाहे वह सरकारी राजस्व हो, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम हो या पूरा देश हो।

मध्यम वर्ग को राहतों की बड़ी उम्मीदें

पूर्ण बजट 24-25

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

वरिष्ठ अर्थशास्त्री

इस समय पूरे देश की निगाहें 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2024-25 की ओर लगी हुई है। यह उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2012-13 के बाद महंगाई के हिसाब से जिस आयकरदाता और मध्यम वर्ग को राहत नहीं मिली है, अब वित्तमंत्री नए बजट के माध्यम से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं।

राहतों पर फोकस

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि मध्यम वर्ग को राहत देने को लेकर विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद लगातार मांग तेज हुई है। सरकार ने विगत वर्षों में जहाँ गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉरपोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया, लेकिन राहत पाने के मद्देनजर सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। 18वीं लोकसभा चुनाव के मतदान में मध्यम वर्ग की नाराजगी भी दिखाई दी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक संबोधन में कहा है कि मध्यम वर्ग देश के विकास का चालक है और मध्यम वर्ग कैसे कुछ बचत बढ़ा सके तथा मध्यम वर्ग के लोगों की जिंदगी को कैसे आसान बनाया जा सके, इस परिप्रेक्ष्य में रणनीतिकपूर्वक आगे बढ़ा जाएगा। गौरतलब है कि इस पूर्ण बजट 2024-25 के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद है। पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। 2023-24 में आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8 करोड़ के स्तर को पार कर चुका है और पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने से अधिक हुए हैं। आयकर विभाग के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2013-14 में आयकर संग्रह करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये था। यह फिर तेजी से बढ़ता गया। यह वर्ष 2019-20 में 10.5 लाख करोड़ रुपये हो गया। कोरोनाकाल के कारण यह वर्ष 2020-21 में घटकर 9.47 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह वर्ष 2021-22 में 14.08 करोड़ रुपये, वर्ष 2022-23 में 16.64 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 19.58 करोड़ हो गया।

ऐसे में वित्तमंत्री सीतारमण मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नए और पुराने दोनों स्लैब की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं व मध्यम वर्ग को अभूतपूर्व राहतों से लाभान्वित कर सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। इसके तहत मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) सीमा को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये तक किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में मानक कटौती की सीमा 40 हजार रुपये थी और वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया गया था।

टैक्स छूटों में वृद्धि वृद्धि संभव

नए बजट के तहत आयकर से संबंधित विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जा सकती है। मौजूदा समय

में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 2.5 लाख से तीन लाख की छूट दी जा सकती है। इसी तरह सरकार के द्वारा इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ा सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट को बढ़ा सकती है ताकि टैक्सपेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों। 80डी में कर छूट सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाई जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की वार्षिक सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जा सकता है।

आयकर के दायरे में इजाफा

निःसंदेह देश में कर सुधारों से आयकर के संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। जहां वर्ष 2024-25 के बजट से वित्तमंत्री आयकर राहत संबंधी उपहार सौंप सकती हैं, वहीं वे बजट में आयकर के दायरे का विस्तार करने की नई रणनीति का ऐलान कर सकती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग हैं पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पिछले एक वर्ष में करीब 24 लाख लोगों ने 10 लाख रुपये से महंगी कारें खरीदी, पिछले एक वर्ष में करीब 25 लाख लोगों के 50 लाख रुपये से अधिक कीमत के महंगे घर खरीदे, वर्ष 2022 में देश के करीब 2.16 करोड़ लोगों ने पर्यटन के मद्देनजर विदेश यात्राएं की। इस तरह लोगों के पास पर्याप्त कमाई के कारण ही ये खरीदियां और विदेश यात्राएं संभव हैं, लेकिन ऊंची कमाई करके भी बड़ी संख्या में लोग आयकर नहीं देना चाहते। वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 2.79 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। यानी देश की आबादी के 1.97 फीसदी लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में आयकर का पूरा बोझ दो फीसदी से भी कम आबादी के द्वारा उठाया जा रहा है। साथ ही देश में कुल आयकर रिटर्न के करीब 70 फीसदी आयकर रिटर्न शून्य आयकरदेयता बताते हुए दिखाई दिए हैं। ऐसे में देश में आयकर संग्रहण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आकार की तुलना में महज 11.7 फीसदी ही है, जबकि यह जर्मनी में 38 फीसदी, जापान में 31 फीसदी, ब्रिटेन में 25 फीसदी अमेरिका में 25 फीसदी और चीन में 18 फीसदी है। स्थिति यह है कि अमेरिका की 60 फीसदी और ब्रिटेन की 55 फीसदी आबादी आयकर चुकाती है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। इसमें राहत से फायदा ही है।

नई रणनीति की संभावना

अतएव हम उम्मीद करें कि इस बार वित्तमंत्री नए बजट से ऐसे लोगों को चिह्नित करने की नई रणनीति के साथ दिखाई देगी, जिससे वास्तविक आमदनी का सही मूल्यांकन हो सके, लोगों के वित्तीय लेनदेन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त हो सके । साथ ही जो वास्तविक कमाई से कम पर आयकर देते हैं, उन्हें भी चिह्नित करके अपेक्षित आयकर चुकाने के लिए बाध्य किया जा सके। निश्चित रूप से इससे देश में टैक्स संग्रहण बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

दूध व घी में मिलावट का संदेह, आशा मिल्क डेरी से लिए नमूने

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा औषधि के अधिकारीओ को जो हफ्ता नही देते उसके विरुद्ध कार्रवाई करते है

शहर मे बडे बडे मिलावट घी व मिठाई के कारखाने खुल्ले आम चल रहे है आज तक कार्रवाई नही

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज। राज्य सरकार के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त के दिशा-निदेर्शानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ जारी अभियान ह्यशुद्ध आहार एवं मिलावट पर वारह्य के तहत गुरुवार को शिवगंज के रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित आशा मिल्क डेरी केसरपुरा, शिवगंज का निरीक्षण कर मिलावट का संदेह होने पर नमूनीकरण की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिंह यादव मय टीम गुरुवार को आशा मिल्क डेयरी पहुंचे तथा उन्होंने दूध और घी के नमूने लिए जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिंह यादव ने आशा मिल्क डेरी केसरपुरा, शिवगंज के स्टॉफ को साफ सफाई रखने और शुद्ध खाद्य पदार्थों का विक्रय करने और स्टोर रूम में खाद्य पदार्थों को ढंक कर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से लिए गए दूध व घी के नमूनों को जांच लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाए गया हैं। उन्होंने बताया कि दूध व घी के मिलावटी होने के संदेह पर एफ.एस.एस. एक्ट के अंतर्गत जाँच के नमूने लिए गए है। जांच के पश्चात मिलावट पाई जाती है तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। शहर मे अवैध घी बनाने की चल रही है फैक्ट्रीया शहर व आसपास के इलाके मे खुल्ले आम नकली ब्रांडेड घी बनकर पैक हो रहा है यह अधिकारीओ ने दलाल छोड रखे है जो महिना होते ही हफ्ता पहुचा देते है किराणा दुकानो पर मिल रहा है मिलावट घी वह अन्य डुप्लीकेट सामग्री जो आम लोगो के जीवन को खतरे मे डाल रहा है

मिलावटी मिठाईया बन रही है

शहर के न्यू बस स्टैंड के आस पास बडे बडे कारखाने चल रहे है मिलावट व घटिया कोलेटी की मिठाई बन रही है पर प्रशासन हफ्ता लेकर छुप बैठ जाते है की जनता-जनार्दन मरती रहे डुप्लीकेट मिलावट मिठाई खाकर जब तक हफ्ता वसुली बंद नही होगी तब तक कार्रवाई नही होगी ऐसे भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध तुरंत कारवाई होनी चाहिए

राजनीतिक हावी है शहर मे

राजनीतिक शह पर बन रहे है नकली डुप्लीकेट घी व मिठाई अधिकारीओ को चेटिग भी इन नेताओ के माध्यम से होती है एक पार्टी के बडे नेताओ के हाथो हफ्ता पहुंचता है यह नेता सत्ता परिवर्तन अनुसार परिवर्तन होता रहता है खुद के लिए पार्टी बदलता रहता है

पंचायत प्रशासन की मनमानी अस्पताल और स्कूल के सामने बना रहे शौचालय,ग्रामीणों में रौष

द पुलिस पोस्ट

मंगरोप। गांव के लोगों नें पंचायत प्रशासन पर अपनी मनमानी करने का आरोप लगाया है।ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत अपने चहेतो को राहत देने के लिए पूर्व में बने शौचालय तोड़कर पुनः उसी स्थान पर न बनाकर दूसरी जगह शौचालय का निर्माण करवाकर गांव में आपसी विवाद बढ़ाने का काम कर रही है।ग्राम पंचायत नें मंगलवार को सीनियर स्कूल के मुख्य गेट के पास रेडीमेट शौचालय रख दिया है।जिससे स्कूली छात्राओं को पढ़ने आने जाने में भी व्यवधान पैदा होगा।वहीं गांव के अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर पक्के शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है जिससे अस्पताल प्रबंधन सहित ग्रामीणों को भी आपत्ति है वहीं पास में हीं महिलाओं का आस्था का केन्द्र दशामाता का स्थान बना हुआ है जहां सालों से महिलाएं दशामाता का पूजन करती आ रही है।लेकिन इसके बावजूद भी ग्राम पंचायत नें अस्पताल परिषर के बाहर बजरी,सीमेंट एवं इंटें डलवाकर बुधवार सुबह शौचालय का निर्माण शुरू कर दिया था इसपर गांव के कुछ लोगों नें अस्पताल परिषर से स्टे नाले पर हों रहे शौचालय के निर्माण को लेकर आपत्ति जताते हुए मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य बन्द करवा दिया लोगों का कहना है कि मोहर्रम का त्योहार होने से अस्पताल में अवकाश के चलते पंचायत गुपचुप तरीके से निर्माण कार्य चला रहा है।ग्रामीणों नें सीनियर स्कूल के बाहर से अस्थाई शौचालय हटवाने एवं अस्पताल परिषर के बाहर हों रहे निर्माण को रोककर पूर्व में तोड़े गए मसाणीया भेरूनाथ मार्ग पर महिला एवं पुरुष शौचालय का निर्माण जल्द शुरू करवाने कि मांग कि है। ग्रामीणों नें 10 दिन के भीतर कार्य शुरू नहीं होने पर मंगरोप भीलवाड़ा के मुख्य मार्ग पर जाम लगाने कि चेतावनी दी है।इस दौरान अनिल सोलंकी, वार्ड पंच प्रेमसुख खटीक, विमल गर्ग, शिवराज खटीक, मुकेश वैष्णव आदि सहित कई जने मौजूद थे।

बहरोड के सरकारी वृक्षारोपण में आखिर कौन मांग रहा है प्रतिकर्मी 500 रुपए ?

द पुलिस पोस्ट

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद ब्लॉक बहरोड में हुई एक बैठक के दौरान चर्चा चल पड़ी की कृषि सखी और पशु सखी द्वारा सरकार के वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान वृक्ष लगाने पर प्रति सखी 500 रुपये की राशि ब्लॉक के एक व्यक्ति के पास जमा कराई जाएगी । यह करीब 80 कर्मियों पर लागू होने की बात कही गई । इस प्रकार करीब 40000 की राशि उगाने के बाद भी पेड़ की राशि अलग से देने की चर्चा इस बैठक के दौरान गर्म रही। कई सखियों ने बताया कि ब्लॉक की एक अफसर के कहने पर इस बात को बैठक में रखा गया था । हालांकि यह जांच का विषय है कि आखिर सरकार के सरकारी कार्यक्रम में लगने वाले वृक्षारोपण में प्रति कृषि सखी और पशु सखी रुपये 500 लेकर किसको रिश्वत देने की बात हुई है लेकिन पूरे ब्लॉक बहरोड में बैठक के बाद इस बात की चर्चा जरूर हुई कि पिछले कई दिनों से यहां भ्रष्टाचार का खुला खेल खेला जा रहा है । फर्जी बिल उठाए जा रहे हैं और नियम विरुद्ध भुगतान भी किया जा रहे हैं । पहले भी भ्रष्टाचार की कई गंभीर शिकायतें हुई हैं लेकिन उच्च अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। इस समाचार पत्र के पास भी बहरोड में हो रहे राजीविका कार्यक्रम के भ्रष्टाचार के कई साक्ष्य मौजूद है जिनका खुलासा अगले अंकों में सिलसिलेवार किया जाएगा लेकिन लोगों ने बताया कि इसके तार जिले में बैठे अफसर से भी जुड़े हैं।

फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र मामले में मुकदमा दर्ज कराने को एसीबी के महानिदेशक को भेजा पत्र

द पुलिस पोस्ट

जिला परिषद अलवर के सीईओ के फर्जी हस्ताक्षर, डिस्पेच नम्बर, मोहर और लेटरहेड पर जारी किए गए फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र की शिकायत पर जयपुर जिला परिषद की ओर से दो लिपिक नीलम शर्मा और जगदीश प्रसाद शर्मा को बर्खास्त करने के बाद अब शिकायतकताओं ने एसीबी के डीजीपी को पत्र लिखा है । कहा है कि उनकी ओर से अलवर और जयपुर एसीबी में नवंबर 2023 में शिकायत की गई थी । शिकायत में अलवर जिला परिषद के फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर जयपुर में एक महिला के लिपिक लगे होने की बात अंकित की गई थी जिस पर एसीबी मुख्यालय ने पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश दिए और पंचायती राज विभाग ने जब जिला परिषद अलवर और जयपुर से रिपोर्ट मांगी तो फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर दो लिपिक बर्खास्त किए गए। इससे उनकी शिकायत सच साबित हुई लेकिन दोनों जिला परिषदों की ओर से फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र देने वाले और फर्जी नियुक्ति प्राप्त करने वालों के खिलाफ मुकदमे दर्ज नहीं कराए गए जबकि मुकदमे दर्ज होने पर कई और फर्जी लिपिक सामने आते और पूरे गिरोह का भंडाफोड़ होता। अधिकारी अपने चहेते कर्मचारियों को बचाना चाहते हैं । फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र पर जो हैंडराइटिंग है उसकी भी जांच नहीं कराई गई , ना तत्कालीन सीईओ के बयान लिए गए। शिकायतकताओं ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पंचायती राज विभाग को भी मुकदमा दर्ज करने के लिए पत्र भेजा है। लिखा है कि राज्य की कई जिला परिषदों में अलवर जिला परिषद के फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर बड़ी संख्या में लिपिक नौकरी में आए हैं । इसमें ज्यादा संख्या अलवर जिले में लगे लिपिकों की हो सकती है। बताया जा रहा है कि फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के तार अलवर जिला परिषद से ही जुड़े हैं। शिकायतकताओं ने जिला परिषद अलवर के एक लिपिक की हैंडराइटिंग फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र पर दर्ज डिस्पैच राइटिंग से मिलान होने की बात कही है। जल्दी ही इस मामले में राज से पर्दा उठेगा ऐसी उम्मीद जताई जा रही है।

भाजपा जिला कार्यसमिति की वृहद बैठक आयोजित

भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत - श्रवणसिंह बगड़ी राजस्थान का बजट मील का पत्थर साबित होगा - अग्रवाल

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत है और भाजपा ही वह पार्टी है जो कार्यकर्ता के श्रम का मूल्यांकन करती है। इसी का साक्षात उदाहरण है कि जमीन से जुड़े एक निष्ठावान कार्यकर्ता भजनलाल शर्मा आज राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में हम सभी के सामने है। यह बात भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी ने भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं सांसद समोदर अग्रवाल के सान्निध्य में आयोजित जिला कार्यसमिति की वृहद बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि प्रदेश महामंत्री बगड़ी ने इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा को एक वर्ष का सफलतम कार्यकाल पूर्ण होने पर बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार है। देश की 140 करोड़ जनता ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी में अपना विश्वास जताया है तो वहीं मोदी ने पिछले दस सालों में देश के स्वाभिमान को सर्वोपरि रखते हुए

जनता के विश्वास और कार्यकताओं के परिश्रम से भीलवाड़ा कांग्रेस मुक्त हुआ – मेवाड़ा

विश्व में भारत की विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित और अपराध एवं भ्रष्टाचार से मुक्त राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने में पहले दिन से ही काम शुरू कर दिया। हाल ही ने पेश राजस्थान का बजट इस संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करता है। सांसद दामोदर अग्रवाल ने जिला कार्यसमिति में हाल ही में घोषित राज्य बजट में भीलवाड़ा को मिली सौगातों के लिए मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव रखते हुए कहा कि बजट में भीलवाड़ा जिले के लिए माही बेसिन से बांधो को भरने, टेक्सटाइल पार्क, नगर परिषद से नगर निगम में क्रमोन्नयन, भीलवाड़ा जयपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे सहित जिले भर के लिए ऐतिहासिक घोषणाएं हुई जो मील का पत्थर साबित होगी। प्रस्ताव का समर्थन पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया ने किया। इसी प्रकार जिला प्रभारी रतनलाल गाडरी ने राजनैतिक प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन सह प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़ ने किया। केंद्र में लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर अभिनंदन प्रस्ताव पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर ने रखा जिसका समर्थन सभापति राकेश पाठक ने किया। जिला कार्यसमिति में उपस्थित सदस्यों ने तीनों प्रस्तावों का अनुमोदन किया। इससे पूर्व प्रारंभ में जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने जिला संगठन की गतिविधियों, कार्यक्रमों, विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के समय की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी सदन में रखी। जिला प्रमुख बरजीदेवी भील, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, रामलाल गुर्जर, बालूलाल चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाड़ा, रामचंद्र सेन,पूर्व जिलाध्यक्ष एल एन डाड, लादूलाल तेली भी मंचासीन रहे। बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के एक साल के कार्यकाल की सम्पन्नता के अवसर पर गतिविधियों की वीडियो डॉक्यूमेंट्री एलईडी के माध्यम से दिखाई गई। बैठक के अंत में पिछले कुछ समय में दिवंगत हुए भाजपा कार्यकताओं को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। सातों विधानसभाओं के संयोजकों का अतिथियों द्वारा मोमेंटो भेंट कर सम्मान भी किया गया। जिला कार्यसमिति की बैठक का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी ने किया। अंत में आभार जिला महामंत्री भगवतीप्रसाद जोशी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया, वेदप्रकाश खटीक, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल आचार्य, छैलबिहारी जोशी, मंजू चेचाणी, अविनाश जीनगर, मुकेश धाकड़, लक्ष्मणसिंह राठौड़, रतनलाल अहीर, सुखलाल गुर्जर, जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोटरास, गोपाल तेली, अमित सारस्वत, प्रतिभा माली, अमरसिंह चौहान, राधेश्याम कुमावत, जमनालाल सेन, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष पंकज मानसिंहका, जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया, अध्यक्षीय प्रवास प्रमुख मनोज बुलानी, जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी, आईटी संयोजक अजय नौलखा, सोशल मीडिया सहसंयोजक आकाश मालावत, मोर्चा अध्यक्ष मंजू पालीवाल, शंकरलाल जाट, कुलदीप शर्मा, भगवत सिंह राठौड़, पूरण डीडवानिया, महेंद्र मीणा, इमरान कायमखानी, विधानसभा संयोजक शिवराज कुमावत, रामेश्वर छीपा, अशोक तलाईच, ओम भंडिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर नमित मेहता का नवाचार नेत्र ज्योति अभियान

अभियान का हुआ शुभारंभ, स्कूली बच्चों को निःशुल्क चश्मों का किया वितरण

लगभग 2.50 लाख बच्चों की होगी स्क्रीनिंग, 10 हजार से अधिक बच्चों को उपलब्ध कराए जाएंगे निःशुल्क चश्में

द पुलिस पोस्ट

अब जिले के बच्चों में आंखों की कमजोरी होगी दूर, दिखेगी सफलता की यह

भीलवाडा, देश के भावी भविष्य निमार्ताओं के सफलता की और बढ़ रहे कदम न रूके तथा नेत्र दृष्टिदोष के कारण जिले के छात्र-छात्राओं को अध्ययन में किसी तरह कि परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी सोच के साथ जिला कलक्टर नमित मेहता ने शनिवार को जिले में नवाचार के तहत ह्यह्यनेत्र ज्योति अभियानह्लह्ल का शुभारंभ किया। अभियान की शुरूआत नगर परिषद टाउनहॉल में जिला स्तरीय समारोह के साथ की गई। अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि नेत्र ज्योति अभियान का मकसद है कि जो हमारे स्कूली बच्चें है जिनके दृष्टिदोष है, जिनकी आंखे कमजोर है तथा जिन्हें चश्में की आवश्यकता है। ऐसे लगभग 10 हजार बच्चों को नजर के चश्मे वितरित किए जाएंगे, जिसकी शुरूआत आज से की गई है। अगले 1 महीने तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में लगभग 2 से 2.5 लाख बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही है। कमजोर नजर वाले ऐसे बच्चों को भामाशाहों के माध्यम से चश्में उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढाई में कमजोर रहने का एक मुख्य कारण आंख में कमी भी हो सकती है। चश्में लगाने पर साफ दिखाई देगा तो पढ़ाई में मन अधिक लगेगा और बच्चों के जीवन में बदलाव भी संभव हो सकेगा। इसके लिए जिला कलक्टर ने स्वयंसेवी संगठनों को आगे आकर इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाकर कार्य करने के लिए कहा। सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन टाउनहाल में 114 बच्चों को निःशुल्क चश्में का वितरण किया गया। अब ब्लॉक तथा उपखण्ड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर निःशुल्क चश्मों का वितरण किया जाएगा।

क्या है नेत्र ज्योति अभियान?

ह्यह्यनेत्र ज्योति अभियानह्लह्ल के तहत दृष्टि दोष से ग्रस्त जिले के राजकीय विद्यालयो में अध्ययनरत छात्र-छात्राओ का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियो को जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क चश्में उपलब्ध कराये जा रहे है। अभियान मे अब तक भीलवाडा जिले के 1823 राजकीय विद्यालयों मे कक्षा 1 से 12 तक के 2,36,564 विद्यार्थियो का नेत्र परीक्षण किया जा रहा हैं।

इस प्रकार हुई अभियान की क्रियान्विति

जिला कलक्टर नमित मेहता ने बच्चों की पढ़ाई में आंखों में कमजोरी के कारण बच्चों को आने वाली समस्याओं को भांपा। उन्होंने जिला निष्पादन समिति की बैठक में जिले के समस्त राजकीय विद्यालयों की कक्षा 1 से 12 वीं के छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग कर निःशुल्क चश्में वितरण की कार्ययोजना के संबंध में निर्देशित किया। चश्मा वितरण कार्यक्रम में भामाशाहों का सहयोग लिया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल कियान्वयन के लिए 2 जुलाई को जिला मुख्यालय पर समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय को विभाग द्वारा अभियान की जानकारी देकर प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्चात 3 जुलाई को जिले के सभी ब्लॉक स्तर पर शिक्षा विभाग के 265 पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियो (पीईईओ) एवं 262 संदर्भ अध्यापक (कुल 527 अधिकारियो) को चिकित्सा विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिनके द्वारा इनके अधीनस्थ संस्था प्रधान व प्रभारी शिक्षक को विजन चार्ट उपलब्ध करवाकर प्रशिक्षित किया गया। साथ ही जिला मुख्यालय से चिकित्सा विभाग व शिक्षा विभाग के जिलास्तरीय अधिकारीयो द्वारा वी.सी के माध्यम से पुनः अभियान की जानकारी देकर माईकोप्लान तैयार किया गया। भीलवाडा लॉयन्स क्लब वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा उपखण्ड माण्डलगढ़, बिजौलिया, हमीरगढ व भीलवाडा शहर में, बृजेश बांगड मेमोरीयल हॉस्पीटल द्वारा उपखण्ड रायपुर, गंगापुर व करेड़ा, रामस्नेही चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा उपखण्ड आसीन्द, माण्डल व गुलाबपुरा के राजकीय विद्यालयो के छात्रो का नेत्र परीक्षण कर चश्में के नंबर उपलब्ध करवाये जा रहे है।

छात्रा बोली-बच्चों को लात-घूंसों से पीटते, टीचर देखकर गाना गाते:ग्रामीणों ने प्रिंसिपल को स्कूल में बंद किया, जांच कमेटी से बोले- इनका ट्रांसफर करिए

द पुलिस पोस्ट

भरतपुर। प्रिंसिपल सर ने इंग्लिश की महिला टीचर को स्कूल से भगा दिया। वो उन्हें देखकर गाना गाते थे। इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। सर बच्चों को भी लात-घूंसों से पीटते है। अगर कोई बच्चा कुछ कहता है तो गालियां भी देते है। यहीं वजह है कि हम सब चाहते है कि उनका ट्रांसफर कर दिया जाए। यह कहना है भरतपुर जिले के उच्चैन इलाके की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चक दारापुर के स्कूली बच्चों का। बच्चों और ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर कलेक्टर की ओर से गठित जांच कमेटी की टीम शनिवार को स्कूल पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया और नारेबाजी करते हुए सभी प्रिंसिपल समेत टीचर्स को स्कूल के अंदर बंद कर बच्चों की छुट्टी करवा दी और सुबह करीब दस बजे ही मेन गेट के ताला लगा दिया। जिसे करीब आधा घंटे बाद खोला गया।

प्रिंसिपल का ट्रांसफर करने की मांग

सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह ने बताया- स्कूल की तालाबंदी स्कूल के प्रिंसिपल के विरोध में की गई है। करीब एक महीने पहले ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत भी की थी। ग्रामीणों की मांग की थी की प्रिंसिपल का स्कूल से ट्रांसफर कर दिया जाए। स्कूल के प्रिंसिपल ने कई टीचर को नोटिस देकर स्कूल से हटवा दिया। स्कूल में इंग्लिश का टीचर नहीं है। इसलिए बच्चे इंग्लिश की पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। प्रिंसिपल की वजह से सभी ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि जब तक प्रिंसिपल का ट्रांसफर इस स्कूल से नहीं होगा बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। इसलिए ग्रामीणों का प्रशासन से निवेदन है कि प्रिंसिपल अजय जैन का जल्द से जल्द ट्रांसफर कर दिया जाए।

छात्रा बोली- सर ने महिला टीचर को भगा दिया

स्कूल की एक छात्रा करीना(परिवर्तित नाम) ने बताया कि प्रिंसिपल स्कूल के अंदर महिला टीचर को देखकर गाने गाते थे। उन्होंने इंग्लिश की टीचर को स्कूल से भगा दिया। मैडम ने इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रिंसिपल बच्चों को लात घूंसों से पीटते हैं। अगर कोई बच्चा कुछ कहता है तो गालियां देते हैं। क्लास में पंखा भी नहीं है। प्रिंसिपल सर खुद के लिए तो इन्वर्टर ले आए, लेकिन हमारे लिए पंखा तक नहीं है। जब टीचर नहीं होने से हमारे कम मार्क्स आएंगे, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

जांच कमेटी बोली- ग्रामीणों से बात के बाद होगी कार्रवाई

कलेक्टर द्वारा गठित की गई जांच कमेटी के मेंबर डॉ. शैलेन्द्र उपाध्याय ने बताया- ग्रामीणों ने प्रिंसिपल अजय जैन और एक टीचर उषा मुद्गल के खिलाफ कलेक्टर को शिकायत दी थी। हमारी जांच कमेटी 3 जुलाई को स्कूल में जांच के लिए आई थी। 3 जुलाई को दोनों टीचर के बयान लिए गए थे। 4 जुलाई को ग्रामीणों को बुलाया तो, उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया। ग्रामीणों का कहना था हमें जल्द ही कार्रवाई करवानी है। जांच कमेटी ने कहा इस मामले का फैसला पूरी जांच करने के बाद होगा। आज फिर से सभी ग्रामीणों को बुलाया गया है। सभी ग्रामीणों से बात की जाएगी। उसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

खाटूश्यामजी में होटल में तोड़फोड़

लाठी-डंडे लेकर घुसे बदमाश, गाड़ियां तोड़ी; होटल संचालक के भाई को पीटा, लाखों की लूट का आरोप

द पुलिस पोस्ट

सीकर। लेनदेन के विवाद को लेकर खाटूश्यामजी में एक होटल के बाहर 15-20 बदमाशों ने जमकर तोड़फोड़ मचाई। लाठियां लेकर होटल के अंदर घुस गए और स्टाफ के साथ अभद्रता करते हुए होटल मालिक के भाई से मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान बदमाशों ने 10 लाख की लूट भी की है। पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। यह मारपीट मंदिर परिसर से महज 1.5 किमी की दूरी पर हुई। एसएचओ राजाराम लेघा ने बताया- घटना खाटू में तोरण द्वार के पास स्थित होटल मॉडर्न पैलेस की है। अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। मामला आपसी लेनदेन का लग रहा है। हालांकि, टीम आरोपियों की तलाश में लगी हुई है।

लेनदेन के विवाद में हमला किया

होटल संचालक जितेंद्र चौधरी ने बताया- देर रात होटल पर तकरीबन 1 बजकर 11 मिनट पर विजय चौधरी, सुनील सामोता सहित 15 से 20 लोग घुस आए थे। उन्होंने यहां मौजूद होटल के 2 कर्मचारियों को धमकाया और अंदर आकर मेरे बड़े भाई रवि चौधरी को पीटने लगे। ये लोग उसे पीटते हुए बाहर ले गए और वहां भी सड़क पर पीटते हुए 10 लाख रुपए की लूट कर ली। संचालक ने बताया- पहले विजय चौधरी से उसका लेनदेन था। रुपयों के विवाद को लेकर हमला किया गया। होटल संचालक ने बताया कि बदमाशों ने बाहर होटल में आए गेस्ट की गाड़ी और बाइक में भी तोड़फोड़ की है। बता दें कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस से यहां जाब्ता लगाने की मांग की है। तोरण द्वार के नजदीक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है। रात के समय भी अन्य राज्यों से आने-जाने वाले श्रद्धालु यहां रुकते हैं।

2 कैमरों में दर्ज हुए फुटेज

होटल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में नजर आ रहा है कि बदमाशों का ग्रुप होटल में तोड़फोड़ करता हुआ दाखिल होता है। इसके बाद अन्य लोग बाहर खड़ी कार और गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हैं। वह होटल संचालक के भाई रवि को पीटते हुए सड़क के दूसरी ओर ले जाते हैं जहां कैमरे की रीच नहीं है। वहीं होटल के रिसेप्शन पर लगे कैमरे में अंदर घुसे बदमाश काउंटर पर तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही, वह होटल संचालक के भाई रवि को पकड़ लेते हैं और ये देख कर होटल का स्टाफ वहां से भागता हुआ नजर आ रहा है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्री का शक एक लाख टीचर के डॉक्यूमेंट का होगा वैरिफिकेशन, साइन से पता लगाएंगे खुद ने परीक्षा दी या दूसरे ने

द पुलिस पोस्ट

बीकानेर। भाजपा सरकार के आदेश के बाद शिक्षा विभाग में खलबली शुरू हो गई है। अब कांग्रेस राज में नियुक्ति पाने वाले करीब एक लाख टीचर्स के रिकॉर्ड की दोबारा जांच हो रही है। डिग्री की सत्यता जांचने जांच दल संबंधित विश्वविद्यालयों में भी जाएगा। इसके अलावा एग्जाम सेंटर पर किए गए हस्ताक्षर की भी चैकिंग होगी। ये जांच ग्रेड थर्ड से प्रिंसिपल स्तर तक नियुक्ति पाने वाले टीचर्स की हो रही है। सभी की डिग्री, मार्कशीट और अन्य कागजात की चैकिंग शुरू हो गई है। ग्रेड थर्ड और सेकेंड के टीचर्स के रिकार्ड की जांच जिला शिक्षा अधिकारी और उप निदेशक स्तर पर की जा रही है। वहीं लेक्चरर और हेड मास्टर स्तर के कैंडिडेट का रिकॉर्ड शिक्षा निदेशालय जांच रहा है। हाल में रडब्ल्यू ने फर्जी डिग्री देने वाले दो यूनिवर्सिटी संचालकों को भी गिरफ्तार किया था।

टीचर्स के डॉक्यूमेंट का फिर से होगा वैरिफिकेशन

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि कार्मिक विभाग के आदेश पर पिछले पांच साल में हुई नियुक्तियों के डॉक्यूमेंट का फिर से वैरिफिकेशन किया जा रहा है। खासकर जिनकी नियुक्तियों में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। जिसमें पीटीआई भर्ती सहित कुछ अन्य भर्तियां शामिल है।

दोनों निदेशालय कर रहे हैं जांच

प्रारम्भिक और माध्यमिक दोनों ही शिक्षा निदेशालय फर्जी तरीके से लगे टीचर्स का पता लगा रहे हैं। ग्रेड थर्ड टीचर्स की भर्ती प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय के माध्यम से हुई थी। वहीं ग्रेड सेकेंड व इससे ऊपर के टीचर्स की भर्ती माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने की। ऐसे में दोनों निदेशालय इस पर काम कर रहे हैं।

ऐसे होगी नियुक्ति की जांच

साल 2019 से 2024 तक नियुक्ति पाने वाले सभी टीचर्स के फॉर्म वापस निकाले जा रहे हैं। आवेदन में लगे सभी तरह के कागजों की नए सिरे से जांच की जाएगी। ये पता लगाया जाएगा कि रिकॉर्ड में लगी डिग्री सही है या नहीं? इसके लिए संबंधित यूनिवर्सिटी को पत्र लिखा जाएगा और पुष्टि की जाएगी। जरूरत पड़ने पर निदेशालय से एक टीम उस यूनिवर्सिटी में जाएगी, जिसकी डिग्री रिकॉर्ड में लगाई गई है। इसके साथ ही बीएड और डीपीएड करने वाले टीचर्स की डिग्री भी संबंधित विभाग को भेजी जाएगी। डीएलएड करने वाले टीचर्स का रिकॉर्ड पहले से शिक्षा निदेशालय के पास है। इनसे मिलान किया जाएगा।

एग्जाम सेंटर से हस्ताक्षर की होगी जांच

राज्य सरकार ने आदेश दिया है कि भर्ती परीक्षा में संबंधित कैंडिडेट बैठा या नहीं? कहीं कोई डमी कैंडिडेट तो एग्जाम देकर नहीं चला गया, इसकी भी जांच की जाए। इसके लिए एग्जाम सेंटर पर किए गए हस्ताक्षर की जांच होगी। कैंडिडेट के हस्ताक्षर में अंतर होगा तो आगे कार्रवाई की जाएगी। वहीं सीसीटीवी कैमरे से जांच संभव नहीं है। इतने लंबे समय तक रिकार्ड उपलब्ध नहीं रहता। राजस्थान यूनिवर्सिटी से डिग्री लेने वालों की नहीं होती जांच राजस्थान से बाहर से डिग्री लेकर नियुक्ति पाने वाले टीचर्स की डिग्री की जांच होती है। इसके लिए एक टीम भी संबंधित यूनिवर्सिटी भेजी जाती है। राजस्थान यूनिवर्सिटी से डिग्री लेने वाले टीचर्स के रिकॉर्ड की जांच नहीं होती। अब इनकी भी जांच की जाएगी।

कांग्रेस राज में अन्य विभागों में हुई नियुक्तियां

पिछले 5 साल में नियुक्ति सिर्फ शिक्षा विभाग में ही नहीं हुई। अन्य विभागों में भी बड़ी संख्या में नौकरी दी गई। ऐसे में इनकी भी छानबीन की जा सकती है। कार्मिक विभाग ने जांच का आदेश दिया है, जो सभी विभागों पर समान रूप से लागू होता है। अन्य विभागों में हुई नियुक्ति...

एसओजी ने फर्जी डिग्री देने वाले यूनिवर्सिटी संचालकों को पकड़ा था

हाल में एसओजी ने फर्जी डिग्री मामले में दो यूनिवर्सिटी संचालकों को पकड़ा था। जिसमें ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह (55) पुत्र ओमप्रकाश दलाल निवासी रोहतक हरियाणा, और सनराइज एंड एमके यूनिवर्सिटी के संचालक जितेंद्र यादव (38) पुत्र जिले सिंह निवासी नारनौल, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया था।

रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण का सर्वे होगाः जल संसाधन मंत्री

5 साल में जारी NOC की जांच होगी, दोषी अफसरों पर कार्रवाई करेंगे

जयपुर।

रामगढ़ बांध क्षेत्र में हुए अतिक्रमण का सरकार ने सर्वे करवाने का फैसला किया है। चार विभागों की टीम बनाकर जॉइंट सर्वे करवाया जाएगा। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण के सर्वे के लिए टीम बनाने के निर्देश दिए हैं। रावत ने कहा- रामगढ़ बांध क्षेत्र में सर्वे टीम की रिपोर्ट के बाद अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री सुरेश सिंह रावत

मंत्री रावत ने कहा- रामगढ़ बांध में भराव और बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण के सर्वे के लिए जल संसाधन, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) और जिला कलेक्ट्रेट जयपुर के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित विभाग के वरिष्ठ अफसरों की संयुक्त जांच टीम बनाने निर्देश दिए गए हैं। संयुक्त जांच टीम तत्काल ही मौके पर जाकर रामगढ़ बांध क्षेत्र का मौका निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगी।

हाईकोर्ट में पेश की जाएगी एक्शन रिपोर्ट

रावत ने कहा- हाईकोर्ट मॉनिटरिंग कमेटी ने बांध क्षेत्र के कुछ स्थान चिह्नित किए गए हैं, जहां अतिक्रमण की स्थिति बताई गई है। ऐसे सभी स्थानों की संबंधित विभागों से जांच करके अनुपालना रिपोर्ट हाईकोर्ट को भेजी जाएगी। विधानसभा में रामगढ़ बांध से जुड़े सवाल के जवाब में अगर गलत तथ्य दिए हैं तो इसकी भी जांच होगी, जल संसाधन विभाग के एसीएस को इसकी जांच करने को कहा है। इसमें कोई अधिकारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

जयपुर में कार के टायर खोलकर ले गए चोर

गाड़ी में सवार होकर आए थे बदमाश, जैक लगाकर खोले टायर

जयपुर।

सांगानेर इलाके में घर के बाहर खड़ी कार के पांचों टायर रिम सहित बदमाश चोरी कर ले गए। जयपुर में घर के बाहर खड़ी कार के पांचों टायर रिम सहित चोरी का मामला सामने आया है। कार से आए बदमाश जैक लगाकर टायर खोल लिए। इसके बाद लॉक खोलकर डिक्की में रखी स्टैपनी भी निकाल ली। वारदातस्थल के पास लगे CCTV फुटेज चोर कैद मिले। सांगानेर थाने में शुक्रवार को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

हेड कॉन्स्टेबल रामप्रकाश ने बताया- सांगानेर निवासी येशा दाधीच (30) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। बुधवार रात को उन्होंने अपनी कार रोड किनारे घर के बाहर खड़ी की थी। देर रात बदमाशों ने टायर चोरी के लिए कार को निशाना बनाया। बदमाशों ने जैक लगाकर कार के चारों टायर रिम समेत खोल लिए। डिक्की का लॉक खोलकर उसमें रखा टायर भी रिम समेत निकाल लिया। पांचों टायर चोरी कर बदमाश फरार हो गए। गुरुवार सुबह कार संभालने पर टायरों के चोरी होने का पता चला। चोरी के लिए यूज किया जैक भी कार के नीचे दबा मिला।

CCTV में दिखाई दिए कार सवार बदमाश

वारदातस्थल के पास लगे छ्वछ्वञ्जङ्क फुटेज को खंगालने पर कार सवार टायर चोर दिखाई दिए। सीसीटीवी में दिखा रात करीब 3 बजे कार से आए बदमाशों ने कॉलोनी में घूमकर रेकी की। उसके बाद रिम सहित टायर खोलकर कार में रखकर चोरी कर ले गए। सांगानेर थाना पुलिस फुटेज में दिख रहे कार सवार टायर चोरों की तलाश कर रही है।

गले और लिवर में इंफेक्शन के केस बढ़ेःहॉस्पिटल में आ रहे उल्टी-दस्त, डायरिया के केस, एसएमएस में ओपीडी की संख्या बढ़ी

जयपुर।

राजस्थान में बारिश कम और उमस ज्यादा होने से बीमार होने के केस बढ़ गए हैं। गले में इंफेक्शन के साथ ही उल्टी-दस्त, डायरिया और कुछ मामलों में लिवर इंफेक्शन के केस भी आ रहे हैं। इसका प्रभाव इन दिनों जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की ओपीडी में भी देखने को मिल रहा है। यहां जनरल मेडिसिन में मरीजों की संख्या पिछले महीने के मुकाबले इस महीने औसतन 100 बढ़ गई है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया- बारिश आने के साथ ही आमतौर पर ट्रोपिकल डिजिट बढ़ना शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार जिस तरह की गर्मी-उमस ज्यादा है। इसमें डायरिया, उल्टी-दस्त के तो मरीज आ रहे हैं। बल्कि गले और लिवर में इंफेक्शन के केस भी देखने को मिल रहे हैं। डॉक्टर ने इसके पीछे सबसे बड़ा कारण उमस, एसी और ठंडे पेय पदार्थों को माना है।

तेज उमस और गर्मी में लोग राहत पाने के लिए बाजार में फलों का ठंडा ज्यूस, सॉफ्ट ड्रिंक, समेत अन्य ठंडे पेय पदार्थ पी रहे हैं। इससे इंफेक्शन बढ़ रहा है। इसके अलावा इन दिनों लोग बाहर का जंक फूड खा रहे हैं। इसमें कई मामलों में डीकंपोज मेटेरियल उपयोग में होता है। इससे लिवर और गले के इंफेक्शन बढ़ रहे हैं। इस मौसम में अपर रेस्पेरेट्री इंफेक्शन (यूआरआई) भी ज्यादा एक्टिव रहता है।

औसत रोज के 100 केस बढ़े

एसएमएस हॉस्पिटल में ओपीडी के केसों पर नजर डालें तो ये जून की तुलना में जुलाई में औसतन 100 बढ़ गए। जून में तेज धूप और गर्मी होने के बावजूद हर रोज औसतन 1400 मरीज जनरल मेडिसिन यूनिट में दिखाने आते थे। लेकिन अब ये जुलाई में औसतन 1500 से ज्यादा हो गए है।

लिवर इंफेक्शन केस में करना पड़ रहा है भर्ती

डॉक्टर पुनीत सक्सेना ने बताया कि पेट-लिवर इंफेक्शन केस में कई मरीज ऐसे है, जो काफी गंभीर स्थिति में आ रहे हैं। इनको भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। इस समय सबसे ज्यादा जरूरत सावधानी की है। लोगों को साफ पीने का पानी और घर में बना हाइजेनिक भोजन ही करना चाहिए। इस समय जितना हो सके बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए।

जयपुर में DRDO के अधिकारी पर जानलेवा हमला

सड़क पर रोककर गाली गलौज की, फिर सिर पर किए वार

जयपुर ।

जयपुर में युवकों ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधिकारी पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने अधिकारी के सिर पर कड़े से वार किए। इससे गंभीर चोट आई है। वहीं, घटना के बाद युवक मौके से भाग निकले। इसके बाद पीड़ित की शिकायत पर नाहरगढ़ थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

डीआरडीओ के अधिकारी विजेंद्र मीणा ने बताया- 18 जुलाई को रात 11 बजे अपने चचेरे भाई को दिल्ली जाने के लिए ऑटो स्टैंड पर छोड़ने गया था। इसी दौरान घर के नजदीक नाहरगढ पैलेस होटल के सामने बाबा कैफे के बाहर दीवार पर एक व्यक्ति बैठकर सिगरेट पी रहा था। उसने रास्ते में जाते समय रोककर गाली गलौज की। इस पर पीड़ित ने ध्यान नहीं दिया। वो आगे निकल गया। जब पीड़ित वापस लौटा तो उस युवक ने रोका। मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ने के साथ ही गाली निकाली। इस पर पीड़ित ने मना किया।

आरोपी ने बाबा कैफे के अंदर बैठे अपने अन्य साथियों को बुला कर हमला कर दिया। आरोपी ने हाथ में मोटा कड़ा पहन रखा था। उसी कड़े से पीड़ित के सिर पर वार किए। इससे गंभीर चोट आई। घटना के बाद परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। इस पर बदमाश मौके से भाग छूटे। परिवार ने घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को घटना की जानकारी दी। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पीड़ित परिवार ने दी पुलिस को सीसीटीवी फुटेज

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को दी है। इस पर वारदात करने वाले 6 से ज्यादा बदमाश दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में कड़े से वार करता हुए बदमाश भी दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ युवकों को चिह्नित भी किया है।

नाहरगढ़ थाने के हेड कॉन्स्टेबल गोपाल लाल ने बताया- बदमाशों को चिह्नित कर लिया गया था। घटना के कुछ घंटे बाद शांतिभग में गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर दर्ज हो चुकी है। जल्द बदमाशों पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बछड़ों को बोतल से पिलाया दूध

7 अगस्त को पूरे राजस्थान में एक साथ लगाएंगे एक करोड़ पौधे

जयपुर ।

राजस्थान में 7 अगस्त को एक साथ एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसकी घोषणा की है। दरअसल, शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर की हिंगोनिया गौशाला पहुंचे थे। यहां उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने हिंगोनिया गौशाला में मौजूद गोवंश को बोतल से दूध पिलाया। साथ ही चारा खिलाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज सुबह लगभग 11.30 बजे हिंगोनिया गौशाला पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने गौशाला में मौजूद शिव मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद इसके बाद पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत और नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर के साथ हिंगोनिया गौशाला में मौजूद गोवंश की पूजा अर्चना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने दोपहर लगभग 12.15 बजे गोवंश को हरा चारा और गुड़ खिलाने के बाद गौशाला में मौजूद बछड़ों को बोतल से दूध पिलाया। 12.30 बजे भजनलाल शर्मा हिंगोनिया गौशाला में बने अस्थाई सभा स्थल पहुंचे। जहां उन्होंने हिंगोनिया गौशाला के कर्मचारी, किसान और पशुपालन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को संबोधित किया। इसके बाद लगभग 1.40 बजे मुख्यमंत्री हिंगोनिया गौशाला से रवाना हुए।

एक साथ एक दिन एक करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे

उन्होंने कहा- पशुपालन विभाग हिंगोनिया के साथ ही हम प्रदेशभर में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके तहत हरियाली तीज के मौके पर 7 अगस्त को प्रदेशभर में 1 करोड़ से ज्यादा पौधे एक साथ एक दिन में लगाए जाएंगे।

सीएम बोले- पीएम मोदी ने कई सामाजिक सरोकार के काम किए

यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- हम गौमाता की सेवा करते हैं। यह सामाजिक सरोकार के कार्य हैं। 2014 के बाद पीएम मोदी ने कई सामाजिक सरोकार के काम किए हैं। देश में जब गंदगी दूर करनी थी तो प्रधानमंत्री ने हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का कार्य शुरू किया। लिंगानुपात को लेकर उन्होंने देश के हरियाणा से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया। इसी तरह अब पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया है। इसमें देश के लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

पशुधन सहायक बहुत अच्छा काम कर रहे

मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा- आम लोग जो अपनी समस्या को मुंह से बोल कर बता देते है, नर्सिंग स्टाफ उनका इलाज करते है। लेकिन आप लोग तो उनका इलाज करते हैं, जो मुंह से नहीं बोल सकते हैं। पशुधन सहायक तो जीव प्रेमी हैं। वे मुंह से नहीं बोलने वाले बेजुबानों की बीमारी दूर करते हैं। उनकी बीमारी में सहायक बनकर आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

सीएम ने कहा- आप लोग पूरी मेहनत के साथ हमारी गौशाला को और बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे। गौशाला में पौधे लगाने के साथ ही यहां मौजूद गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए और बेहतर व्यवस्था करना हम सब की प्राथमिकता है।

जयपुर में नाबालिग की फोटो एडिट कर ब्लैकमेल किया

वायरल करने की धमकी देकर रुपए वसूले, पिता के साथ थाने पहुंची लड़की

जयपुर ।

जयपुर में एक नाबालिग बच्ची के पिता की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़ित पिता का आरोप है कि नाबालिग बेटी को आरोपी चिराग सिंह सोलंकी पिछले कई समय से परेशान कर रहा है। आरोपी ने उसकी बेटी की फोटो एडिट कर गंदी फोटो बना ली है। इसे दिखाकर वह वायरल करने की धमकी दे रहा है। आरोपी ने इस एवज में नाबालिग से पैसा भी लिया हैं। करधनी थाना पुलिस ने पीड़िता पिता की शिकायत पर चिराग सिंह के खिलाफ पोक्सो और आईटी एक्ट में एफआईआर दर्ज की है। करधनी थाना सीआई विरेन्द्र सिंह ने बताया- कालवाड़ रोड निवासी एक व्यक्ति अपनी बेटी के साथ थाने पहुंचा। आरोपी चिराग सिंह सोलंकी के खिलाफ शिकायत दी। बच्ची ने भी बताया कि आरोपी ने उसकी फोटो एडिट कर रखी है। उसे बार-बार धमकी देकर पैसा लेता है। पीड़ित बच्ची फोन-पे और यूपीआई से आरोपी को कई बार पैसा भी दे चुकी हैं।

जयपुर में घर में घुसकर बिजनेसमैन की पत्नी की हत्याःबदमाशों ने गला रेता, चाकू से 12 से ज्यादा जगह गोदा; खून से सन गया पूरा कमरा

जयपुर।

जयपुर में बदमाशों ने घर में घुसकर बिजनेसमैन की पत्नी की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मामला खोह नागोरियान थाना इलाके का है।

डीसीपी ईस्ट कावेन्द्र सागर ने बताया- गोनेर रोड राधा कृष्ण मंदिर के सामने गौरव वाटिका में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर और स्टाम्प विक्रेता सतीश चंद्र शर्मा की प%ी मंजू शर्मा की हत्या की गई है। आज दोपहर में कुछ बदमाश घर में घुसे और उनकी गला रेत कर हत्या कर दी। महिला के पेट पर 12 से ज्यादा चाकू के निशान मिले हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो पूरा कमरा खून से सना हुआ था। पत्रिकास्रु टीम को मौके पर बुलाकर सबूत जुटाए हैं।

सीसीटीवी फुटेज से कुछ बदमाशों की जानकारी मिली

डीसीपी ईस्ट ने बताया- पुलिस को आसपास लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से कुछ बदमाशों की जानकारी मिली है। इस पर पुलिस टीम काम कर रही है।

घर में किराए से रहने वाले युवक को किया डिटेन

खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बताया- मंजू शर्मा के घर में किराए से रहने वाले एक युवक को डिटेन किया है। सूत्रों के अनुसार श्रीकांत नाम के व्यक्ति ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। पुलिस ने आसपास लगे हुए सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान की है। कई जगहों पर छापेमारी कर एक युवक को डिटेन कर लिया है। अन्य युवकों की तलाश की जा रही है।

दोपहर 12 बजे मंदिर से घर जाते समय हुई थी बातचीत

पड़ोसियों ने पुलिस को बताया- मंजू शर्मा को दोपहर 12 बजे के आसपास देखा था। वह मंदिर से घर जा रहीं थीं। उस दौरान सामान्य बात हुई थी। इसके बाद किसी ने उनको नहीं देखा। एक से डेढ़ बजे के बीच में उनके छोटे बेटे मौसम शर्मा की चीख पुकार सुनाई दी।

कॉलोनी के लोगों ने उससे पूछा क्या हुआ तो बोला- किसी ने मां को मार दिया है। कॉलोनी के लोग घर में गए तो मंजू शर्मा कमरे में खून से सनी हुई फर्श पर पड़ी थीं। इसके बाद मौसम ने अपने पिता सतीश शर्मा, चाचा एडवोकेट खेमचंद शर्मा और बड़े भाई कल्पेश शर्मा को फोन कर घटना की जानकारी दी थी। सतीश शर्मा अपनी दुकान हैपी बुक डिपो पर थे।

घटना के समय घर पर अकेली थी भाभी

मृतका के देवर एडवोकेट खेमचंद शर्मा ने बताया- उनकी भाभी मंजू शर्मा (45) घटना के दौरान घर पर अकेली थी। डेढ़ बजे के लगभग छोटा बेटा मौसम शर्मा घर पहुंचा। उसने मां की हालत देखकर पिता सतीश (48) को फोन कर मां के बारे में बताया। इसके बाद वह लोगों के साथ मां को लेकर एसएमएस अस्पताल पहुंचा। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत

बेटा घर आया तो लहूलुहान हालत में मिली मां

मंजू शर्मा के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा कल्पेश शर्मा एमबीए कर रहा है, जो जेएनयू के हॉस्टल में ही रहता हैं। दूसरा बेटा मौसम जेएनयू में बी फार्मा कर रहा है। वह दोपहर करीब डेढ़ बजे घर आया तो मां लहूलुहान हालत में मिली।

कागज में गड़बड़ी, नहीं हो रहा पोस्टमॉर्टम

मंजू शर्मा के जेठ त्रिवेणी श्याम शर्मा ने बताया कि स्स्स्-अस्पताल में डॉक्टर उनके परिवार को परेशान कर रहे हैं और पोस्टमॉर्टम नहीं कर रहे हैं, क्योंकि थाने ने कागज में गड़बड़ी कर दी। अधीक्षक की जगह चिकित्सा अधिकारी लिख दिया। अब यहां डॉक्टर कह रहे हैं कि फिर से सही लिखवाकर लाओ। इसमें 3 घंटे का समय लग जाएगा।

जयपुर में जानलेवा हमला कर युवती से बैग लूटाःधक्का देकर स्कूटी सहित रोड पर गिराया

मोबाइल से ऑनलाइन ट्रांसफर किए रुपए

जयपुर ।

जयपुर में जानलेवा हमला कर एक युवती से बैग लूटने का मामला सामने आया है। बाइक सवार बदमाशों ने धक्का देकर उसे स्कूटी सहित रोड पर गिरा दिया। लूटे गए मोबाइल से ऑनलाइन बैंक अकाउंट से रुपए भी ट्रांसफर कर निकाल लिए। ज्योति नगर थाने में पीड़िता ने बाइक सवार लुटेरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। ASI यमुनेश ने बताया- मालवीय नगर निवासी साक्षी (30) के साथ लूट की वारदात हुई। वह आम्रपाली सर्किल वैशाली नगर स्थित एक ऑफिस में जॉब करती है। मंगलवार रात करीब 10:15 बजे वह स्कूटी लेकर ऑफिस से घर जा रही थी। होटल रामबाग के सामने बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए। चलती स्कूटी पर उससे बैग छीनने की कोशिश की। बैग छीनने में कामयाब नहीं होने पर धक्का देकर स्कूटी सहित रोड पर गिरा दिया। रोड पर गिरकर घायल होने पर बेहोशी की हालत का फायदा उठाकर बदमाश बैग लूट ले गए।

ऑनलाइन ट्रांसफर किए रुपए

राहगीरों ने उसे प्राथमिक उपचार के लिए जयपुरिया हॉस्पिटल पहुंचाया। लूटे गए बैग में 5 हजार रुपए, 2 मोबाइल, डेबिट-क्रेडिट कार्ड सहित डॉक्यूमेंट व सामान रखा था। बदमाशों ने बैग सहित लूटे उसके मोबाइल से बैंक अकाउंट से गुरुवार को 50 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी किए। ज्योति नगर थाने पहुंचकर पीड़िता ने बाइक सवार लुटेरों के खिलाफ कम्पलेंड दर्ज करवाई। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे CCTV फुटेजों को खंगालने के साथ लुटेरों की तलाश कर रही है।

नए क्रिमिनल कानूनों पर मद्रास हाईकोर्ट का केंद्र को नोटिस

कहा- पहले लॉ पैनल से सलाह लेनी चाहिए थी; चार हफ्ते में जवाब मांगा

चेन्नई।

मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को तीन नए क्रिमिनल कानूनों को लेकर केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। राज्य की डीएमके सरकार ने इन कानूनों को अधिकारातीत और असंवैधानिक बताने की याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका के जवाब में मद्रास हाईकोर्ट ने यह नोटिस जारी किया है। डीएमके के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी आर एस भारती की तरफ से दाखिल याचिका की सुनवाई जस्टिस एस एस सुंदर और एन सेंथिल कुमार की डिविजन बेंच के सामने हुई। बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए चार हफ्तों में जवाब देने को कहा है।

दरअसल, 1 जुलाई से तीन नए कानून- भारतीय सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हुए हैं। इन्होंने इंडियन पीनल कोड, कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ली है।

याचिका में कहा- सेक्शंस की अदला-बदली गैर-कानूनी थी

याचिकाकर्ता के मुताबिक सरकार ने तीनों बिल पेश किए और बिना सार्थक चर्चा के इन बिलों को संसद में पास करवा दिया। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस बदलाव के सिर्फ सेक्शंस की अदला-बदली करना गैर-जरूरी था। इससे मौजूदा प्रावधानों की व्याख्या करने में परेशानी होगी।

वडोदरा में स्कूल की दीवार गिरी, 4 बच्चे घायल

वडोदरा।

गुजरात में वडोदरा के श्री नारायण स्कूल में दूसरी मंजिल पर कमरे की एक दीवार गिरने से 4 बच्चे घायल हो गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें 4 बच्चे बेंच सहित 10 फीट नीचे गिरते नजर आए। एक छात्र को सिर पर चोट आई है। तीन को हल्की चोटें हैं। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दीवार के ठीक पीछे एक शेड था। बच्चे पहले शेड पर गिरे। उसके बाद नीचे जमीन पर आए। इस कारण उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं। दीवार गिरने के कारण का पता लगाया जा रहा है। उधर, वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज शनिवार को स्कूल संचालक के खिलाफ प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। मामले को लेकर केस भी दर्ज कराया जा सकता है।

स्टूडेंट 10 फीट नीचे गिरे, शेड के कारण बची जान

पुलिस ने बच्चों के बयान दर्ज किए

पुलिस ने घायल बच्चों, उनके परिजनों और स्कूल प्रबंधन का बयान दर्ज किया है। घटना के बाद से अभी तक शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की तरफ से कोई बयान आया है।

स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट 1 माह पहले ही मिला था

इस स्कूल में 1200 से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं। शुक्रवार को दीवार गिरने के बाद स्कूल की छुट्टी कर दी गई थी। स्कूल को स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट एक माह पहले ही दे दिया गया था। दीवार गिरने के कारण का अभी पता नहीं लगा है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है।

स्थानीय लोगों ने कहा था कि पुरानी इमारत होने की वजह से यह हादसा हुआ। हालांक, स्कूल प्रशासन का कहना है कि उनके पास सभी जरूरी दस्तावेज है।

प्रिंसिपल बोलीं- ऐसा होगा हमें अंदाजा नहीं था

स्कूल की प्रिंसिपल रूपलबेन शाह ने बताया कि हमें एकदम से बहुत तेज आवाज आई। इसके बाद हम दीवार गिरने वाली जगह पहुंचे तो पता चला कि 4 बच्चे घायल हैं। एक बच्चे को सिर पर टांकें लगे हैं। मलबे में बच्चों की साइकिलें दब गईं। हमें अंदाजा नहीं था कि ऐसी घटना होगी।

सोमवार को भी बंद रहेगा स्कूल

स्कूल की प्रिंसिपल रूपलबेन शाह ने बताया कि सोमवार को भी स्कूल की छुट्टी रहेगी। हमने अब वैकल्पिक ऑनलाइन शिक्षा पर विचार किया है। हमारे बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की आज बैठक होगी, जिसमें हम निर्णय लेंगे कि बच्चों की पढ़ाई डिस्टर्ब न हो।

कर्नाटक कोटा पर कांग्रेस में सिर फुटव्वल! खड़गे ने राहुल गांधी को मनाया

बेंगलुरु। कर्नाटक में 'कन्नड़' कोटा को लेकर हाय तौबा मचा हुआ है। इस बीच 'कन्नड़' कोटा विवाद का पहला नतीजा यह है कि कांग्रेस आगामी चुनावों में आरक्षण के बारे में बात करने में संकोच कर सकती है, खासकर हरियाणा और महाराष्ट्र में। लेकिन सवाल है कि फिर राहुल गांधी कहां रह जाएंगे जो बेबाकी से आरक्षण की वकालत कर रहे हैं, खासकर निजी क्षेत्र में? लेकिन ऐसा क्यों है कि कोटा विधेयक के विवरण साझा करने के 24 घंटे के भीतर ही कर्नाटक सरकार ने यू-टर्न ले लिया? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्हें डर था कि इससे औद्योगिक क्षेत्र में लोगों का पलायन या गुस्सा भड़क सकता है. उदाहरण के लिए, बेंगलुरु को विभिन्न राज्यों के लोगों के एक ऐसे समूह के रूप में जाना जाता है जो अपनी विशेषज्ञता का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए करते हैं कि शहर शीर्ष पर बना रहे.

कर्नाटक में खूब हो रहा है विवाद

कर्नाटक में विधेयक पर विचार-विमर्श के दौरान भाजपा और कांग्रेस के अन्य विरोधियों ने मौके का फायदा उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

हरियाणा में आप की 5 गारंटी, 24 घंटे फ्री बिजली की घोषणा

हर महिला को 1 हजार रुपए, पहली बार सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

पंचकूला।

आम आदमी पार्टी हरियाणा में पहली बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार (20 जुलाई) को हरियाणा के लिए 5 गारंटियों का ऐलान कर की। इसमें फ्री बिजली, महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए, फ्री इलाज, मुफ्त शिक्षा और हर युवा बेरोजगार को रोजगार देना शामिल है। हालांकि आप ने पंजाब में भी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए देने का ऐलान किया था, लेकिन अभी तक ये वादा पूरा नहीं हो पाया है। सुनीता केजरीवाल ने पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में ये गारंटियां लॉन्च की। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य सभा सांसद संजय सिंह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक भी मौजूद रहे।

शिक्षा माफिया को खत्म करेंगे

आप प्रदेश में अच्छी, बेहतरीन और फ्री शिक्षा देगी। दिल्ली और पंजाब की तरह शिक्षा माफिया का खात्मा करेंगे। सरकारी स्कूलों को इतना अच्छा बनाएंगे कि आप अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूलों में भर्ती करवाओगे। प्राइवेट स्कूलों की गुंडागर्दी भी बंद करेंगे। प्राइवेट स्कूलों को नाजायज फीस बढ़ाने से रोका जाएगा।

माताओं-बहनों को हर महीने 1000 रुपए

इसके साथ चौथी गारंटी यह है कि हरियाणा में सभी माताओं-बहनों को हर महीने 1000 रुपए दिए जाएंगे।

बकाया बिजली बिल माफ करेंगे

24 घंटे घरेलू बिजली फ्री मिलेगी। दिल्ली और पंजाब की तरह हरियाणा में पुराने घरेलू सारे बकाया बिजली बिल माफ किए जाएंगे। पावर कट बंद होंगे। दिल्ली और पंजाब की तरह 24 घंटे बिजली का इंतजाम किया जाएगा।

मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे

दूसरी गारंटी- सबको अच्छा और फ्री इलाज है। दिल्ली और पंजाब की तरह हर गांव और शहरों के हर मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों का कायाकल्प किया जाएगा और नए सरकारी अस्पताल बनाए जाएंगे। हर हरियाणवी का पूरा इलाज मुफ्त होगा, चाहे बीमारी छोटी हो या बड़ी। सभी टेस्ट, दवाइयां, ऑपरेशन और इलाज सब फ्री होगा।

पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए दांव लगाएंगे 117 भारतीय खिलाड़ी, देखें पूरा शेड्यूल

बांग्लादेश में हिंसा के बीच भारत वापस लौटे सैकड़ों छात्र

नहीं सुधरे हालात, अभी भी बड़ी संख्या में छात्र मौजूद, संपर्क में दूतावास

नई दिल्ली।

पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों हिंसा की आग में झुलस रहा है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देशभर में उग्र रूप ले चुका है। हिंसा प्रभावित देश से लोग पलायन कर रहे हैं। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि अबतक सैकड़ों भारतीय छात्र अलग-अलग मार्गों के जरिए वापस देश लौट आए हैं।

इन लोगों की मदद से भारत वापस ला रहे

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों की मदद से उच्चायोग और सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराने में मदद कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय हमारे नागरिकों के लिए एक सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों और बीएसएफ अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है।

मामला कोर्ट में फिर क्यों प्रदर्शन हो रहे हैं?

प्रदर्शनकारी छात्र मुख्य रूप से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए आरक्षित नौकरियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी इस व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि यह भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के समर्थकों के फायदे के लिए है। बता दें कि प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब उर रहमान की बेटी हैं, जिन्होंने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि इसकी जगह योग्यता आधारित व्यवस्था लागू हो। विरोध प्रदर्शन के समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने कहा कि छात्र कक्षाओं में लौटना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसा तभी करेंगे जब उनकी मांगें पूरी हो जाएंगी।

सैकड़ों छात्र लौटे

मंत्रालय ने आगे बताया कि अब तक 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं से घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में रह रहे 4000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्हें जरूरी सहायता दी जा रही है। नेपाल और भूटान के छात्रों की भी भारत आने में मदद की जा रही है।

अमेरिकी चुनावों में इस बार छाया हुआ है इंडिया फैक्टर, क्या उषा वेंस के आने से बढ़ेगा असर?

नई दिल्ली।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह घोषणा करने के बाद से कि उनका साथी कौन होगा 2024 अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय-अमेरिकी समुदाय चर्चा में है। डोनाल्ड ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। उषा चिलुकुरी वेंस ट्रंप के साथी जेडी वेंस की पत्नी के रूप में सुर्खियों में आईं। उषा चिलुकुरी का नाम ऐसे समय में सामने आया है जब वहां उपराष्ट्रपति पद पर पहले से ही एक भारतीय मूल की कमला हैरिस आसीन हैं। इसके अलावा भारतीय मूल की दो बड़ी हस्तियां विवेक रामास्वामी और निक्की हेली ने राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन का फैसला किया है।

भारतीय अमेरिकी समुदाय अहम

अमेरिका की राजनीति में यह भारतीय-अमेरिकियों के उभार का दौर है। अमेरिका की मौजूदा राजनीति में न सिर्फ लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए ताल ठोक रहे जो बाइडन बल्कि उनको चुनौती दे रहे डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी भारतीय अमेरिकी समुदाय महत्वपूर्ण हो गया है। रिपब्लिकन हिंदू गठबंधन के संस्थापक शलभ कुमार ने कहा, "भारतीय खासकर हिंदू बहुत आगे बढ़ चुके हैं।" उन्होंने कहा कि 60 के दशक के अंत में अमेरिका में आने के बाद से उनकी जनसंख्या और राजनीतिक शक्ति में वृद्धि को महसूस किया है। उन्होंने कहा, "अब समय आ गया है। वेंस अमेरिकियों की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं।" ट्रंप अभियान सूत्रों ने बताया कि उन्हें लगता है कि उषा वेंस अल्पसंख्यक मतदाताओं को आकर्षित कर सकती हैं।

व्हाइट हाउस की दौड़ में भारतीय

2024 के राष्ट्रपति अभियान में दक्षिण एशियाई मूल के या यूं कहें कि भारतीय मूल के तीन राजनेता व्हाइट हाउस के लिए प्रतिस्पर्धा करते देखे गए। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली और बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी दोनों ने रिपब्लिकन प्राइमरी के दौरान होड़ में थे।

यूपीएससी चेयरमैन ने दिया इस्तीफा, टाइमिंग पर उठे सवाल

नई दिल्ली।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को लेकर चल रहे विवाद के बीच बड़ी खबर सामने आई है। लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष मनोज सोनी ने इस्तीफा दे दिया है। सोनी ने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा है।

स्वीकार नहीं हुआ इस्तीफा!

हालांकि, सूत्रों को कहना है कि मनोज सोनी के इस्तीफे का मसला पूजा खेडकर से जुड़ा नहीं है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सूत्र के अनुसार उनका इस्तीफा अभी स्वीकार नहीं किया गया है। सोनी ने 2017 में यूपीएससी में बतौर सदस्य ज्वॉइन किया था। 16 मई, 2023 को उन्हें यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन का अध्यक्ष बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अपना इस्तीफा "बहुत पहले" सौंप दिया था। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ आरोपों के बाद यूपीएससी विवादों में घिर गया है, जिन्होंने कथित तौर पर सिविल सेवा में प्रवेश पाने के लिए पहचान पत्रों में जालसाजी की थी। यूपीएससी में शामिल होने से पहले, डॉ सोनी ने कुलपति के रूप में तीन कार्यकाल पूरे किए। इनमें 01 अगस्त 2009 से 31 जुलाई 2015 तक डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीएओयू) के कुलपति के रूप में लगातार दो कार्यकाल और अप्रैल 2005 से अप्रैल 2008 तक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा (बड़ौदा एमएसयू) के कुलपति के रूप में एक कार्यकाल शामिल है।

अजित की मीटिंग में हिस्सा लेने पहुंचे चाचा शरद पवार, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

पुणे/नई दिल्ली।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति नई अंगराई ले सकती है। राजनीतिक विरासत की जंग में चाचा शरद पवार से नाता तोड़ने वाले अजित पवार लगातार चर्चाओं में बने हैं। सबके मन में एक ही सवाल चल रहा है- विधानसभा चुनाव-2024 से पहले क्या पवार फैमली एकजुट होगी महाराष्ट्र में अजित पवार और शरद पवार को लेकर कयासबाजियों का दौर लगातार जारी है। इन सबके बीच, शरद पवार भतीजे अजित पवार की अगुआई में होने वाली बैठक में शामिल हुए। सुप्रिया सुले भी इस बैठक में मौजूद रहीं। महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण में बदलाव आने के संकेत मिलने लगे हैं। इसका ताजा उदाहरण पुणे डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग एंड डेवलपमेंट काउंसिल की बैठक है। शनिवार को जिला विकास परिषद की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गार्जियन मिनिस्टर अजित पवार कर रहे थे। इस बैठक में शामिल होने के लिए एनसीपी (शरद गुट) के सुप्रीमो और दिग्गज नेता शरद पवार भी पहुंचे।

18 दिन में 16 अलग-अलग खेलों में पदक के लिए दांव लगाएंगे 117 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का समय बचा है। इस टूर्नामेंट को लेकर फैंस की उत्सुकता दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। यह खेल महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगा। 26 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी और 11 अगस्त को क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। हालांकि, कुछ खेलों की शुरुआत तो 24 जुलाई से ही हो जाएगी।

पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को 'सीन नदी' के जार्डिन्स डु ट्रोकाडेरो में होगा। ओलंपिक में यह पहला मौका होगा जब उद्घाटन समारोह स्टेडियम में नहीं होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 इस परंपरा को तोड़ेगा। भारत पहली बार पेरिस ओलंपिक में पदकों के दोहरे अंक का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखेगा। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत तीन पदकों से चूक गया था।

भारत पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 सदस्यीय दल भेज रहा है, जो पिछले संस्करण की तुलना में पांच कम हैं। टेबल टेनिस के दिग्गज अचंता शरथ कमल और बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भारतीय दल के लिए पेरिस ओलंपिक में ध्वजवाहक होंगे। एथलीटों ने पहले ही

यूरोप में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और जल्द ही पेरिस ओलंपिक के लिए फ्रांस पहुंचेंगे। पेरिस में भारत के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से अपने खिताब का बचाव करने की काफी उम्मीदें होंगी।

यहां हम पेरिस ओलंपिक 2024 के हर दिन के हिसाब से भारतीय एथलीटों के पूरे कार्यक्रम का विवरण दे रहे हैं...(समय भारतीयानुसार)। इनमें से कुछ खेल ऐसे हैं, जिसके राउंड ऑफ 16 (₹16), क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल की जानकारी भी दी गई है। हालांकि, वह किसी भारतीय खिलाड़ी के इस राउंड तक पहुंचने के बाद ही लागू होंगे।

25 जुलाई (गुरुवार)

तीरंदाजी

महिला रैंकिंग राउंड (दोपहर 1.00 बजे से)
पुरुषों का रैंकिंग राउंड (शाम 5.45 बजे से)

26 जुलाई

पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह (रात 11.00 बजे से)

पहला दिन - 27 जुलाई (शनिवार)

बैडमिंटन

महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 11.00 बजे से)

पुरुष युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 7.10 बजे। रात 8.00 बजे, रात 11.00 बजे, रात 11.50 बजे से)

महिला युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7,10 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से)

पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से)

मुक्केबाजी

महिलाओं की 54 किग्रा राउंड ऑफ 32 (शाम 7 बजे, रात 11.30 बजे से)

हॉकी

भारत बनाम न्यूजीलैंड (रात 9.00 बजे से)

रोइंग

मेंस सिंगल स्कल्स हीट (दोपहर 12.30 बजे से)

शूटिंग

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालिफिकेशन (दोपहर 12.30 बजे से)
10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच (दोपहर 2.00 बजे से) (क्वालिफाई करने पर)
10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक मैच (दोपहर 2.30 बजे से) (क्वालिफाई करने पर)
10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष योग्यता (दोपहर 2.00 बजे से)
10 मीटर एयर पिस्टल महिला योग्यता (शाम 4.00 बजे से)

टेबल टेनिस

पुरुष और महिला एकल प्रारंभिक दौर (शाम 6.30 बजे से)
पुरुष और महिला एकल राउंड ऑफ 64 (रात 11.30 बजे से)

टेनिस

पुरुष एकल का पहला राउंड (दोपहर 3.30 बजे, रात 10.30 बजे से)
पुरुष युगल पहला दौर (दोपहर 3.30 बजे से)

दूसरा दिन - 28 जुलाई (रविवार)

तीरंदाजी
महिला टीम एलिमिनेशन राउंड टू फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से)
बैडमिंटन
महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.00 बजे, दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, शाम 7.10 बजे 11.50 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से)
पुरुष युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, दोपहर 1.40 बजे, शाम 5.30 बजे, रात 11.50 बजे से)
महिला युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से)
पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई), दोपहर 1.30 बजे (29 जुलाई) से)
मुक्केबाजी
पुरुषों का 71 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 2.46 बजे, शाम 5.16 बजे, रात 11.30 बजे से)
महिलाओं का 50 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 3.50 बजे, रात 8.30 बजे, रात 12.34 बजे (29 जुलाई) से)
रोइंग
पुरुषों की एकल स्कल्स रेपेचेज (दोपहर 1.06 बजे से)
शूटिंग
10 मीटर एयर राइफल महिला क्वालिफिकेशन (दोपहर 12.45 बजे से)
10 मीटर एयर पिस्टल पुरुषों का फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से) (क्वालिफाई करने पर)
10 मीटर एयर राइफल पुरुष क्वालिफिकेशन (दोपहर 2.45 बजे से)
10 मीटर एयर पिस्टल महिला फाइनल (दोपहर 3.30 बजे से) (क्वालिफाई करने पर)

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लि.डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111